DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

विपक्ष का राहुल से भरोसा उठा

एजेंसी । नई दिल्ली

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन के नेतृत्व पर अपना दावा ठोका है। कांग्रेस इस दावे से असहज हो गई है लेकिन समाजवादी पार्टी और शरद पवार की एनसीपी ने ममता के नाम का समर्थन किया है। इस बीच पूर्व गवर्नर सत्यपाल मलिक ने भी अपनी राय व्यक्त की है। उनका कहना है कि अगर इंडिया गठबंधन के सभी दल ममता बनर्जी को अपने नेता के रूप में आगे लाते हैं, तो यह गठबंधन निश्चित रूप से सफल होगा।
उन्होंने ममता बनर्जी और उद्धव ठाकरे को इंडिया गठबंधन के लिए सबसे अच्छा नेता माना है। मलिक का यह बयान ने ममता बनर्जी को एक मजबूत और प्रभावशाली नेता के तौर पर पहचाना है। उनका यह यह बयान ऐसे समय में आया है जब इंडिया गठबंधन के विभिन्न दल अपने नेतृत्व और चुनावी रणनीतियों पर विचार कर रहे हैं। सत्यपाल मलिक ने ममता और उद्धव ठाकरे दोनों को इस गठबंधन के लिए उपयुक्त नेता बताया।

'संभालूंगी जिम्मेदारी'

पश्चिम बंगाल की सीएम ने आगे कहा कि अगर वे यह नहीं कर सकते, तो मैं क्या कर सकती हूं? मैं बस यही कहूंगी कि सभी को साथ लेकर चलने की जरूरत है। यह पूछे जाने पर कि एक मजबूत भाजपा विरोधी ताकत के रूप में अपनी साख को देखते हुए वह गठबंधन का प्रभार क्यों नहीं ले रही हैं, बनर्जी ने कहा कि यदि अवसर दिया गया तो मैं इसका सुचारू संचालन सुनिश्चित करूंगी।

ममता या उद्धव को नेता बनाने की मांग

ममता बनर्जी को इंडिया गठबंधन का सबसे मजबूत नेता बताया

उन्होंने कहा, 'आज के समय में इंडिया गठबंधन के लिए सबसे मजबूत नेता कोई है तो वह ममता बनर्जी हैं। अगर इंडिया गठबंधन के सभी दल ममता बनर्जी को अपने नेता के रूप में आगे आने दें तो यकीनन इंडिया गठबंधन सफल होगा। इंडिया गठबंधन के लिए सबसे अच्छे नेता ममता और उद्धव हैं।' बता दें कि शुक्रवार को ममता बनर्जी ने विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन को लेकर एक बड़ा बयान दिया था। टीएमसी प्रमुख ने विपक्षी गठबंधन के कामकाज पर असंतोष व्यक्त किया था। उन्होंने मौका मिलने पर इसकी कमान संभालने के अपने इरादे का संकेत दिया। ममता बनर्जी ने कहा कि वह बंगाल की मुख्यमंत्री के रूप में अपनी भूमिका जारी रखते हुए विपक्षी मोर्चे के नेतृत्व के साथ दोहरी जिम्मेदारी संभालने में सक्षम होंगी। उन्होंने एक निजी टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा कि मैंने 'इंडिया' गठबंधन का गठन किया था, अब इसे प्रबंधित करना मोर्चे का नेतृत्व करने वालों पर निर्भर है।

जीते तो EVM ठीक, हारे तो खराब

लोगों को गुमराह करना बंद करे विपक्ष बोले- एकनाथ शिंदे

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी को करारी शिकस्त मिली है। जिसके बाद से एक बार फिर से विपक्ष इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को लेकर सवाल उठा रहा है। विपक्ष ने ईवीएम में गड़बड़ी होने का आरोप लगाया है। इस बीच सूबे के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने विपक्ष पर निशाना साधा है। उन्होंने विपक्ष पर ईवीएम के बारे में लोगों को गुमराह करने और जनादेश को स्वीकार न करने का आरोप लगाया है। रविवार 8 दिसंबर को मीडिया से बात करते हुए शिंदे ने कहा कि सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन ने विधानसभा चुनाव में अपने काम की वजह से जीत हासिल की है।

'जब विपक्ष जीतता है तब ईवीएम खराब नहीं होती'

शिवसेना प्रमुख ने कहा कि जब विपक्ष जीतता है तो ईवीएम में कोई गड़बड़ी की बात नहीं की जाती लेकिन जब हारता है तो मशीन पर सवाल उठाए जाते हैं, तब मशीन खराब हो जाती है। उन्होंने कहा कि ये तरीका सही नहीं है। विपक्ष को जनादेश को स्वीकार करना चाहिए कि उन्हें निर्णायक रूप से चुनाव में हार मिली है। शिंदे ने कहा कि जनता ने विपक्ष को उसकी जगह दिखाकर साबित कर दिया है कि वो घर बैठने वालों को वोट नहीं देते हैं।

'जनता ने हमें हमारे काम के लिए जनादेश दिया'

शिंदे ने आगे कहा कि लोकसभा चुनाव में महायुति को 2.48 करोड़ मत मिले, जो 43.55 प्रतिशत है। एमवीए को 2.5 करोड़ मत मिले, जो 43.71 प्रतिशत है। फिर भी विपक्ष को 31 सीट पर जीत हासिल हुई और महायुति को 17 सीट मिलीं। उन्होंने सवाल किया कि क्या हमें यह कहना चाहिए कि ईवीएम में गड़बड़ी हुई है। शिंदे ने कहा कि लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार के बारे में भ्रम पैदा करना लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। जनता ने हमें हमारे काम के लिए जनादेश दिया है। ऐसे में विपक्ष को विलाप करना बंद करना चाहिए, उसे महायुति द्वारा किए गए विकास कार्यों को स्वीकार करना चाहिए। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की बात करें तो सूबे की 288 सदस्यीय विधानसभा के लिए 20 नवंबर को मतदान हुआ था और 23 नवंबर को नतीजे जारी किए गए थे। जिसमें बीजेपी, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के महायुति गठबंधन ने 230 सीटों पर प्रचंड जीत हासिल की थी।

विपक्ष के निशाने पर EVM

शरद पवार ने कहा- कई देशों ने इसे त्यागा

डीबीडी संवाददाता । सोलापुर

एनसीपी एसपी गुट के प्रमुख महाराष्ट्र के सोलापुर में मौजूद मरकडवाड़ी गांव में एंटी-ईवीएम इवेंट में पहुंचे. इस दौरान उन्होंने कहा, पूरे देश में मरकडवाड़ी गांव की चर्चा हो रही है। चुनाव को लेकर लोगों के मन में शंका है क्योंकि चुनाव के नतीजे ही ऐसे आए हैं, जिसको लेकर लोगों के मन में शंका पैदा हुई है। कई देशों ने ईवीएम का त्याग किया है, अमेरिका जैसे देशों में भी बैलेट पेपर से वोटिंग होती है, चुनाव के तरीकों में बदलाव करने की जरूरत है।
महाराष्ट्र के मरकडवाड़ी में चुनाव के नतीजों से लोग संतुष्ट नहीं थे, इसी के चलते इस सीट पर लोगों ने बैलेट पेपर से मॉक चुनाव कराने का तय किया था और यहां पर फिर से वोटिंग होने वाली थी। गांव वालों के इस ऐलान के बाद से ही प्रशासन एक्शन में आ गया था और उन्होंने गांव वालों को ऐसा करने से रोका। इस सीट पर शरद पवार की पार्टी के उत्तमराव जानकर ने जीत हासिल की है, जिन्होंने अब इस्तीफा देने का ऐलान किया है।

मरकडवाड़ी गांव सोलापुर में मालशिरस विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। शरद पवार की पार्टी से जीते हुए विधायक उत्तम जानकार ने मालशिरस विधानसभा से इस्तीफा देने की बात कही। उन्होंने इस्तीफा देने की बात कहते हुए कहा, विधायक पद मेरे लिए महत्वपूर्ण नहीं है। मेरे लिए ये लोकतंत्र महत्वपूर्ण है। मैं अपने विधायक पद से इस्तीफा देता हूं। साथ ही उन्होंने कहा, अगर मालशिरस विधान सभा में उपचुनाव हो तो बैलेट पेपर से कराएं। क्या आप देश में एक क्षेत्र का उपचुनाव भी बैलेट पेपर से नहीं करा सकते? अगर चुनाव आयोग नहीं सुनेगा तो हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे।

'चुनाव बैलेट पेपर पर होने चाहिए'

ईवीएम के खिलाफ बात करते हुए शरद पवार ने कहा, मैंने सुना है कि यहां पर लोगों ने बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग की तो उन्हें गिरफ्तार तक किया गया। यहां लोग बैलेट पेपर से वोट करना चाहते थे क्योंकि उनको नतीजों पर विश्वास नहीं था। उन्होंने आगे कहा, मैं आप सभी से वादा करता हूं कि आपने मुझ से चुनाव को लेकर जो भी शिकायतें की है हम उसको चुनाव आयोग और सीएम तक पहुंचाएंगे। साथ ही उन्होंने कहा, हम एक प्रस्ताव लाएंगे कि हम ईवीएम पर चुनाव नहीं चाहते हैं, यह बैलेट पेपर पर होना चाहिए। शरद पवार ने आगे कहा, चुनाव होते हैं, कोई जीतता है और कोई हारता है, लेकिन हाल में महाराष्ट्र में जो चुनाव हुए उस में लोगों को चुनाव की प्रक्रिया पर शंका है और वोटर्स को विश्वास नहीं है, हमारे यहां ईवीएम से वोटिंग होती है, लोग वोट देते हैं और पूरे विश्वास के साथ बाहर आते हैं लेकिन चुनाव के नतीजों ने उन के बीच शंका पैदा की है।

आदित्य ठाकरे ने किया हमला

शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने कहा, जनता की मांग सिर्फ यह ही है कि वहां पर बैलेट पेपर से मॉक पोल कराए जाए। मॉक पोल से कुछ बदलने वाला नहीं है, सरकार के जो नतीजे हैं वो इससे बदलने वाले नहीं है, लेकिन इस से यह पता चलेगा कि सत्य क्या है। उन्होंने आगे कहा, यह देश सत्यमेव जयते पर चलता है न कि सत्ता मेव जयते पर। सत्ता मेव जयते पर चीफ इलेक्शन कमिश्नर चल रहे हैं। एनसीपी (शरद पवार) गुट के नेता जितेंद्र आव्हाड ने मरकडवाड़ी गांव के लोगों के दोबारा वोटिंग कराने के कदम को लेकर कहा, देखो ऐसा है जो कुछ हुआ है, हम ने तो मरकडवाड़ी के लोगों को कहा नहीं था, यह गांव ने निर्णय लिया, वो सब गांव ने किया। उन्होंने महायुति पर निशाना साधते हुए आगे कहा, अगर इस में आप लोकतंत्र पर भरोसा रखते हो तो इस को आपको रोकने की क्या जरूरत थी। आम आदमी अगर चाहता है और वो खुद के पैसे से कोई काम करता है तो आपको क्या जरूरत है उस के बीच में जाने की, उनको गिरफ्तार करने की क्या जरूरत है।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा किसान आंदोलन

शंभू बॉर्डर खोलने की मांग पर याचिका दायर

एजेंसी । नई दिल्ली

किसान आंदोलन का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर शंभू बॉर्डर सहित सभी अन्य बॉर्डर खोलने की मांग की गई है। गौरव लूथरा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर ये मांग की है। गौरव लूथरा पंजाब के रहने वाले हैं। याचिका में कहा गया है कि केंद्र सरकार, पंजाब सरकार और हरियाणा सरकार को सुप्रीम कोर्ट आदेश दे कि सभी राज्यों को बॉर्डर खोला जाएं। बॉर्डर बंद करना मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। सुप्रीम कोर्ट याचिका पर कल सुनवाई कर सकता है।
बता दें कि शुक्रवार को दिल्ली कूच की कोशिश के बाद रविवार को फिर से 101 किसानों का जत्था ने दिल्ली मार्च की कोशिश की, लेकिन पंजाब की सीमा पर हरियाणा के सुरक्षाकर्मियों ने मार्च कर रहे किसानों पर आंसू गैस के गोले दागे और पानी की बौछारें कीं। किसान नेताओं का कहना है कि इसमें कम से कम नौ किसान घायल हो गये हैं। इसके बाद किसानों का दिल्ली कूच अस्थाई रूप से स्थगित कर दी गई है। सोमवार को फिर से किसान संगठनों की बैठक होगी। इस बैठक में आगे की कार्रवाई के बारे में फैसला किया जाएगा। पंजाब के किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने कहा कि कम से कम नौ किसान घायल हो गए और उनमें से एक को चंडीगढ़ के पोस्ट-ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआईएमईआर) ले जाया गया। उन्होंने सिंधू बॉर्डर पर मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि उन्होंने किसानों का जत्था वापस बुला लिया है। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा की सोमवार को बैठक होगी। इस बैठक में आंदोलन की रूपरेखा तय की जाएगी।
बता दें कि पूर्व घोषणा के अनुसार दोपहर में किसानों का जत्था शंभू विरोध स्थल से अपना पैदल मार्च फिर से शुरू किया था। वहां तैनात सुरक्षाकर्मियों ने पहले प्रदर्शनकारियों को पानी पिलाया। फिर उन पर फूल की बारिश की, लेकिन जब वे आगे बढ़ने लगे तो सुरक्षाकर्मियों की ओर से आंसू गैस के गोले दागे गए। प्रदर्शनकारियों पर पानी की बौछारें की गईं। इससे प्रदर्शनकारी तितर-बितर होने के लिए बाध्य हो गए। इसके कुछ देर के बाद सरवन सिंह पंढेर का बयान आया कि किसान आंदोलन रविवार को अस्थाई रूप से स्थगित कर दिया जा रहा है।

नोएडा एयरपोर्ट पर आज पहली बार उतरेगा विमान

एजेंसी । नई दिल्ली

नोएडा के इतिहास में आज नया अध्याय जुड़ने वाला है। ढाई दशक की कोशिश और इंतजार के बाद नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सोमवार को विमानों का ट्रायल शुरू होगा। सोमवार को जेवर एयरपोर्ट पर पहली बार विमान उतरेगा। ट्रायल आज सुबह 11 बजे से शुरू होगा। एयरपोर्ट पर विमान की पहली बार सफल लैंडिंग होगी और उसके कुछ देर के बाद विमान यहां से टेक ऑफ भी करेगा। इस बड़ी उपलब्धि के मद्देनजर पहले रनवे को वाटर कैनन से सलामी देने के इंतजाम किए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, एयरपोर्ट अथॉरिटी के विमानों की लैंडिंग नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर होगी। लैंडिंग से ठीक पहले विमान डेढ़ से दो घंटे तक हवा में रहेगा। इस ट्रायल के दौरान मिली जानकारी को ट्रायल के विश्लेषण के लिए नागरिक उड्डयन महानिदेशक को सौंपा जाएगा।

असद के जाते ही इजराइल ने दमिश्क पर दागे रॉकेट

एजेंसी । सीरिया

सीरिया में बशर-अल-असद का तख्तापलट हो गया है। असद के पतन पर इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने खुशी जाहिर की है। इस बीच नेतन्याहू ने रविवार को कहा कि सीरियाई अशांति के बाद इजरायली सेना ने गोलान हाइट्स में एक बफर जोन पर कब्जा कर लिया है। इजराइल ने ये कदम सीरिया में असद शासन के पतन के बाद उठाया है। । यह 1974 में सैनिकों की वापसी समझौते पर हस्ताक्षर के बाद इस

तरह की पहली तैनाती है।
आईडीएफ ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उसने बताया है कि गोलान हाइट्स में सीरिया सीमा के साथ लगने वाले बफर जोन के भीतर नए स्थानों पर सैन्य तैनाती की गई है।

बफर जोन को कब्जे में लेने का दिया आदेश

यह 1974 में सैनिकों की वापसी समझौते पर हस्ताक्षर के बाद इस तरह की पहली तैनाती है। बफर जोन दो शत्रु देशों को एक दूसरे से अलग रखने के लिए बनाया जाने वाला क्षेत्र होता है। यहां किसी देश की आर्मी तैनात नहीं होती। एक रिपोर्ट के मुताबिक जैसे ही राष्ट्रराष्ट्रपति बशर अल असद के सारिया से भागने खबर सामने आई थी। इसके फौरन बाद इजराइली पीएम ने आपात बैठक बुलाकर अपनी सेना को सीरिया की सीमा पर बफर जोन को कब्जे में लेने का आदेश दिया था।

नागपुर में भी आएगी बुलेट ट्रेन

शीतकालीन सत्र में बोले रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव

डीबीडी संवाददाता । नागपुर

देश की पहली हाई स्पीड ट्रेन मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना का काम तेजी से चल रहा है। 320 से 350 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से दौड़ने वाली बुलेट ट्रेन मुंबई से अहमदाबाद के बीच यानी 508 किमी की दूरी महज 2 से 2.30 घंटे में तय करेगी। मुंबई से अहमदाबाद के बीच 12 बुलेट ट्रेन स्टेशन की रूपरेखा तैयार कर ली गई है। यह जानकारी राज्यसभा में पूछे गये एक सवाल का जवाब देते हुए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी। उन्होंने कहा कि इस रूट के बाद नागपुर-मुंबई-नागपुर बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट पर भी काम किया जायेगा जो अन्य 7 रूटों में शामिल है। उल्लेखनीय है कि मुंबई-अहमदाबाद के बाद और भी कई रूटों पर बुलेट ट्रेन चलाने की योजना बनाई गई है। यह भी बात सामने आई है कि रेल मंत्री वैष्णव ने नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) से और 7 हाई स्पीड रूट के बारे में कहा। उन्होंने कहा कि इनमें से दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-हावड़ा बुलेट ट्रेन उत्तर प्रदेश से होकर गुजरेंगी लेकिन ये कॉरिडोर हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के रूप में अस्थायी होंगे। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि कॉरिडोर काफी ज्यादा खर्चीले साबित हो सकते हैं। साथ में यह भी बताया कि किसी भी हाई स्पीड रेल कॉरिडोर को मंजूरी देते समय कई बातों का ध्यान रखा जाता है जैसे डीपीआर का परिणाम, तकनीकी व्यवहार्यता, खर्चे, वित्तीय संकल्प और संसाधनों की उपलब्धता।

इन रूट पर बुलेट ट्रेन चलाने की तैयारी

मुंबई-नागपुर, दिल्ली-वाराणसी
दिल्ली-अहमदाबाद, दिल्ली-अमृतसर, मुंबई-पुणे-हैदराबाद, चेन्नई-बेंगलुरु-मैसूर, वाराणसी-हावड़ा

21 किमी लंबी सुरंग बनेगी

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना की बात करें तो उसके लिए कुल 1,389 हेक्टेयर की भूमि का अधिग्रहण किया गया है। अब तक 336 किमी पियर फाउंडेशन, 331 किमी पियर निर्माण, 260 किमी गर्डर ढलाई और 225 किमी गर्डर लॉन्चिंग का काम पूरा हो चुका है। इसके साथ ही लगभग 21 किमी लंबी सुरंग जो समुद्र के अंदर से होकर गुजरेगी, का निर्माण कार्य भी शुरू किया जा चुका है।

5000 सिम, 25 मोबाइल और चीन-कंबोडिया से कनेक्शन

साइबर ठगों को सिम बेचने वाले की पूरी कहानी

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने बिहार से एक ऐसे आरोपी को अरेस्ट किया है, जो इंटरनेशनल साइबर क्रिमिनल्स को सिम कार्ड सप्लाई करता था। पुलिस का कहना है कि अनुज कुमार नाम के आरोपी के पास 5,000 सिम कार्ड और 25 मोबाइल बरामद हुए हैं। वह चीन, कंबोडिया और अन्य दक्षिण एशियाई देशों में लोगों को सिम बेचता था।
एजेंसी के अनुसार, पुलिस उपायुक्त (दक्षिणपूर्व) रवि कुमार सिंह ने बताया कि एक कंपनी के सीए ने शिकायत दर्ज कराई थी कि एक व्यक्ति ने खुद को कंपनी का निदेशक बताकर उनसे 20 लाख की ठगी की है। इस मामले में

दक्षिण पूर्व दिल्ली के साइबर पुलिस स्टेशन की टीम ने मामले की जांच शुरू की। साइबर टीम ने मोबाइल नंबरों और टेक्निकल टीम की मदद से अनुज नाम के आरोपी का पता लगाया। इसके बाद बिहार के गया से अनुज कुमार नाम के आरोपी को अरेस्ट कर लिया।
पुलिस का कहना है कि ये आरोपी इंटरनेशनल साइबर क्रिमिनल्स को सिम कार्ड मुहैया कराता था। इन सिम कार्ड का इस्तेमाल डिजिटल अरेस्ट, इन्वेस्टमेंट के नाम पर फ्रॉड सहित कई तरह के साइबर क्राइम में किया गया। पुलिस ने कहा कि पूछताछ के दौरान पता चला कि अनुज नेटवर्क का मास्टरमाइंड था। वह सिम कार्ड बेचता है। अनुज अपने ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए दक्षिण एशियाई यात्रियों के लिए गया के प्रमुख टूरिस्ट प्लेस पर फायदा उठा रहा था। बिहार के गया में दक्षिण एशिया से बड़ी संख्या में इंटरनेशनल टूरिस्ट आते हैं। उन्हें आरोपी अवैध रूप से खरीदे गए सिम कार्ड बेचता था। ग्रामीण क्षेत्रों में सिम वेंडिंग कैंप लगाकर थोक में कार्ड खरीदने के लिए सिम रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूरी करके एक ही पहचान पर चार से पांच सिम कार्ड जारी किए जाते थे। इन सिम को गया और नेपाल के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टूरिस्ट तक पहुंचाया जाता था, इन सिम का इस्तेमाल साइबर धोखाधड़ी के लिए संभव हो जाता था।

डुप्लीकेट फेवीक्विक बनाने वाली कंपनी में छापा 2.17 लाख का माल जब्त, एक पर केस दर्ज

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी में ब्रांडेड के नाम से डुप्लीकेट प्रोडक्ट का उत्पादन कर उसकी बिक्री करने वाली ईजी इंडस्ट्रीज नामक कंपनी में पुलिस ने अचानक छापा मार कर वहां से लाखों रुपए के डुप्लीकेट प्रोडक्ट बरामद कर एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जहां से पुलिस ने अधिक मात्रा में डुप्लीकेट फेवीक्विक एवं फेविकोल सहित स्टिकर लगाने वाली मशीन भी जब्त कर लिया है।

ब्रांडेड कंपनी पिडिलाइट इंडस्ट्रीज का नकली प्रोडक्ट

प्राप्त जानकारी के अनुसार मुंबई के नरीमन पॉइंट स्थित एक ब्रांडेड कंपनी पिडिलाइट इंडस्ट्रीज में तैयार होने वाले ब्रांडेड प्रोडक्ट फेवीक्विक एवं फेविकोल की हुबहू नकल कर मार्केट में बेचा जा रहे था। जिसकी जांच में जुटे उक्त कंपनी के निजी अधिकारियों को सूचना मिली कि भिवंडी में ईजी इंडस्ट्रीज नामक कंपनी में यह सभी डुप्लीकेट प्रोडक्ट तैयार किए जा रहे है। जिसकी शिकायत नारपोली पुलिस स्टेशन में की गई।

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक भरत कामत के मार्गदर्शन में कार्रवाई

इस प्रकरण में नारपोली पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक भरत कामत के मार्गदर्शन में पुलिस उप निरीक्षक आकाश पावर व उनकी पुलिस टीम ने शनिवार की सुबह 11:45 बजे मानकोली रोड स्थित वलगांव के पारसनाथ कॉम्प्लेक्स बिल्डिंग में ईजी इंडस्ट्रीज कंपनी में छापा मारा। इस दौरान पुलिस ने देखा कि उक्त कंपनी के इमारत की पहली और दूसरी मंजिल पर गाला न. 106 व 206 में कई कर्मचारी डुप्लीकेट फेवीक्विक और फेविकोल की प्लास्टिक तैयार कर उस पर मशीन से स्टिकर लगा रहे है। पुलिस ने उक्त कंपनी में अधिक मात्रा में तैयार कर इकट्ठा किया गया कुल 2 लाख 17 हजार 575 रूपये कीमत का माल जप्त कर लिया है। जोगेश्वरी पश्चिम मुंबई निवासी दिनेश शिवराम शेट्टी की शिकायत पर पुलिस ने उक्त डुप्लीकेट माल तैयार कर उसकी बिक्री करने वाले उमेश शत्रुघ्न रेवंडकर के खिलाफ कॉपीराइट अधिनियम 1957 की कलम 51, 63 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। उक्त कार्रवाई में पुलिस के साथ मुंबई की आईपी विगिलीयैन्स कंपनी के अधिकारी जितु गुप्ता, फ़ख़रूद्दिन शेख, रवी वासवानी, दीपाली पाटिल मौजूद थे। इस मामले में आगे की जांच नारपोली पुलिस कर रही है।

पालघर जिले में एक व्यक्ति की मानव तस्करी और बंधक का मामला

डीबीडी संवाददाता । पालघर

महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक व्यक्ति की मानव तस्करी और बंधक का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित अभी भी लापता है। साथ ही आरोपी भी फरार है। पुलिस ने तलाश अभियान शुरू कर दिया है। महाराष्ट्र में पालघर जिले के एक आदिवासी की कथित रूप से तस्करी करने, उसे बंधक बनाने और बंधुआ मजदूरी करने के एक मामले में बीड जिले के एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पालघर थाने के अधिकारी ने बताया कि पीड़ित आदिवासी कातकरी समुदाय से ताल्लुक रखता है और धोपापाड़ा के जैप गांव का निवासी है।

80 हजार रुपए का किया था अग्रिम भुगतान

पुलिस अधिकारी ने कहा कि 'शिकायत के अनुसार, बीड निवासी अमोल धोत्रे एक नवंबर को अपने गन्ने के खेत के लिए मजदूरों की व्यवस्था करने के लिए यहां जावहर आया था। उसने पीड़ित को 80,000 रुपये का अग्रिम भुगतान किया था। हालांकि, गांव के कुछ अन्य लोगों द्वारा पैसे लेने और काम पर नहीं आने से नाराज आरोपी ने पीड़ित का अपहरण कर लिया और उसे बीड ले जाकर बंधुआ मजदूर के रूप में काम करने के लिए मजबूर किया।'

अभी तक कोई गिरफ्तार नहीं

अधिकारी ने बताया कि पीड़ित अभी भी लापता है और उसे ढूंढ़ने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। अधिकारी ने बताया कि पीड़ित की पत्नी की शिकायत पर धोत्रे के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और बंधुआ मजदूरी प्रणाली (उन्मूलन) अधिनियम के तहत तस्करी, गैर कानूनी अनिवार्य श्रम, गलत तरीके से बंधक बनाने और अन्य अपराधों के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने कहा कि जल्द ही आरोपी और पीड़ित को ढूंढ़ लिया जाएगा। पुलिस ने कहा कि पीड़ित की पत्नी की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। इस मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

अमृत योजना की बोली प्रक्रिया 10 दिन के लिए बड़ी

डीबीडी संवाददाता । नासिक

केंद्र सरकार ने शहर की बढ़ती आबादी को देखते हुए शहर में जलापूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने के लिए अमृत-2 योजना के तहत 234 करोड़ रुपए की योजना को मंजूरी दी है। लेकिन, प्रशासन को स्थानीय प्रतिनिधियों से फंड डायवर्ट करने और एक खास ठेकेदार को फायदा पहुंचाने के लिए विरोध का सामना करना पड़ा, जिसके कारण फैसले पलटने पड़े। इस मुद्दे को लेकर पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए और खुली प्रतिस्पर्धा की अनुमति देने के लिए बोली प्रक्रिया को 10 दिनों के लिए बढ़ा दिया गया है। शहर की बढ़ती आबादी और आगामी कुंभ मेले के कारण शहर की जल आपूर्ति व्यवस्था पर दबाव पड़ रहा है। करीब 2.3 मिलियन की आबादी और 1-1.5 मिलियन की अतिरिक्त अस्थायी आबादी के कारण शहर का जल बुनियादी ढांचा दबाव में है।

जन प्रतिनिधियों के विरोध के सामने झुका प्रशासन

मुद्दे को विधानसभा में उठाने की दी धमकी

विधायक राहुल डिकले ने प्रशासन के इस निर्णय का विरोध करते हुए कहा कि निविदा की शर्तें निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा में बाधा पैदा करेंगी। उन्होंने इस मुद्दे को विधानसभा में उठाने की धमकी दी, जिसके कारण प्रशासन को अपने कदम पीछे खींचने पड़े। महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण ने कुछ दरें निर्धारित की थीं, जिनमें संशोधन किया गया है और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को सुविधाजनक बनाने के लिए निविदा की समय सीमा 10 दिन बढ़ा दी गई है।

प्रशासन पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

कुंभ मेले में परवानी अवधि के दौरान 2-3 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है, जिससे समस्या और भी गंभीर हो जाएगी। इससे निपटने के लिए मनपा ने अमृत-2 योजना के तहत राज्य सरकार को एक योजना प्रस्तावित की है, जिसमें नई जल पाइपलाइन बिछाना, पुरानी पाइपलाइनों को बदलना, पुरानी जल टंकियों की मरम्मत करना और नई पाइपलाइनें बनाना शामिल है। पहले चरण में 234 करोड़ के बजट के साथ योजना को मंजूरी दी गई है। लेकिन, ऐसे आरोप लगे हैं कि प्रशासन ने आदर्श आचार संहिता हटने के बाद परियोजना के लिए एक विशिष्ट ठेकेदार को लाभ पहुंचाने की योजना बनाई है। इसके कारण स्थानीय प्रतिनिधियों ने विरोध किया है।

हत्यारे बेटे को आजीवन कारावास धारदार हथियार से की थी हत्या

डीबीडी संवाददाता । वाशिम

अपनी माता के सिर और शरीर पर कोयते से वार कर उसकी निर्मम हत्या करने वाले आरोपी बेटे को मंगरुलपीर के अतिरिक्त जिला व सत्र न्यायालय के न्यायाधीश वैभव पाटिल ने दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास और 37 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। यह घटना वाशिम जिले के मंगरुलपीर शहर के पंचशील नगर परिसर में 31 अक्टूबर 2018 को हुई। इस घटना की शिकायत आरोपी की बहन निशा गावंडे ने की थी। शिकायत के अनुसार, साल 2018 में 30 और 31 अक्टूबर की रात में वह और उसकी सास व बच्चे हॉल में सो रहे थे। रात डेढ़ बजे देवर अतुल और उसकी पत्नी वहां आए। उनसे पूछने पर विवाद करते हुए अतुल ने उसका गला दबा दिया। डर से वह हॉल के बाहर आई। इस दौरान अतुल की माता विमलबाई गावंडे ने उसे समझाया, जिससे अतुल फिर बाहर सोने चला गया। बाद में रात 2 बजे के करीब अतुल हाथ में कोयता लेकर आया और माता विमलबाई के सिर और शरीर पर वार करने लगा, जिससे विमलबाई गंभीर रूप से घायल हो गईं। इस दौरान आरोपी अतुल ने अपनी पत्नी पर भी वार किया। बीच-बचाव करने आई निशा पर भी वार कर उसे घायल कर दिया। लेकिन निशा और उसकी सास वहां से भागकर पड़ोसियों को इस घटना के बारे में बताया।

घर में लगाई आग

बाद में दोनों महिलाएं पड़ोसियों के साथ घर आईं तो आरोपी ने बताया कि उसने अपनी मां को मारकर जला दिया है। घर में लगी आग को देखते हुए विमलबाई जली हुई स्थिति में मिलीं। विमलबाई के हाथ-पांव काटकर अलग किए गए थे। घटना की शिकायत निशा गावंडे ने मंगरुलपीर पुलिस में की। पुलिस ने आरोपी अतुल गावंडे के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच पूरी करने के बाद मामले को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

भतीजे की गवाही रही महत्वपूर्ण

प्रकरण में आरोपी अतुल का भतीजा, जो उस समय 6 साल का था, ने सभी घटनाएं देखी थीं। यह प्रत्यक्षदर्शी गवाह न्यायालय में महत्वपूर्ण साबित हुआ। प्रकरण में सरकार की ओर से 13 गवाह पेश किए गए। प्राप्त सबूतों के आधार पर आरोपी को दोषी मानते हुए न्यायालय ने आरोपी अतुल गावंडे को धारा 302 के तहत आजीवन कारावास और 15 हजार रुपये जुर्माना, धारा 307 के तहत दस वर्ष का कारावास और दस हजार रुपये जुर्माना लगाया है।

स्टेम परियोजना शहाड़ के पंप हाउस का कार्य डेढ़ साल में पूरा हो : सौरभ राव

▶▶ 500 मिलियन लीटर क्षमता के नये पंप हाउस का निर्माण

▶▶ बारह किलोमीटर तक पाइप लाइन का विस्तार

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

मनपा आयुक्त सौरभ राव ने हाल ही में स्टेम परियोजना में 500 मिलियन लीटर की क्षमता वाले नये पंप हाउस और बारह किलोमीटर के पाइप लाइन के विस्तार का उद्घाटन किया जो ठाणे, भिवंडी-निजामपुर और मीरा भायंदर को पानी की आपूर्ति करेगा। स्टेम परियोजना शहाड़ के पंप हाउस का कार्य डेढ़ साल में पूरा होने का निर्देश आयुक्त दिया। महानगरपालिकाओं के मूलभूत सुविधाओं को विकसित करने के लिए विशेष प्रावधान के तहत राज्य सरकार से सब्सिडी मिलती है।इसके तहत ठाणे, भिवंडी-निजामपुर और मीरा भायंदर को पानी की आपूर्ति करने वाली स्टेम परियोजना की जल वाहनी क्षमता बढ़ाने के लिए नये पंप हाउस के निर्माण,पाइप लाइन बिछाने और पुराने पाइप लाइन की मरम्मत के लिए 278 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई थी। इस फंड को पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अक्टूबर 2024 में मंजूरी दी थी। मनपा आयुक्त सौरभ राव ने इस परियोजना का अनुसरण किया जो तकनीकी मंजूरी के बाद लगभग तीन वर्षों से लंबित थी। मनपा क्षेत्र की बढ़ी हुई पानी की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए नये पंप हाउस और पाइप लाइन को बिछाने के लिए दो साल का समय दिया गया है लेकिन काम डेढ़ साल के भीतर पूरा किया जाना चाहिए। जिससे इस क्षेत्र में बिना किसी रुकावट के पानी की आपूर्ति संभव किया जाय। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे,स्टेम के प्रबंध निदेशक संकेत घरत व अन्य लोग उपस्थित थे।

मनपा मुख्यालय में मनाई गई संत संताजी जगनाडे महाराज की जयंती

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

रविवार को महानगर पालिका मुख्यालय में प्रशासक तथा मनपा आयुक्त अजय वैद्य के निर्देशानुसार संत संताजी जगनाडे महाराज की जयंती मनाई गई। जहां मनपा के कर विभाग उपायुक्त शैलेश डोंडे ने संत संताजी जगन्नाडे महाराज की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उप श्रम कल्याण अधिकारी जनार्दन निपुर्ते एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

महायुति को उनकी जरूरत नहीं: रामदास आठवले

डीबीडी संवाददाता । नासिक

महाराष्ट्र की राजनीति को लेकर केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने रविवार को बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि, 'महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे अब प्रासंगिक नहीं रहे और महायुति को उनकी जरूरत नहीं है।' हाल ही में हुए 20 नवंबर के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में मनसे एक भी सीट जीतने में असफल रही। इन चुनावों में महायुति ने शानदार जीत हासिल की, जबकि मनसे के प्रमुख राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे भी मुंबई के महिम निर्वाचन क्षेत्र से हार गए।

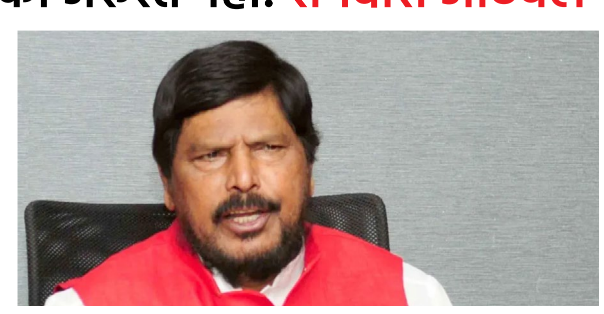

'राज ठाकरे के सपने टूट गए हैं'

नासिक में पत्रकारों से बात करते हुए रामदास आठवले ने कहा, 'राज ठाकरे को लगता था कि उनके बिना सत्ता में आना संभव नहीं है। लेकिन उनके सपने टूट गए हैं। महायुति में मेरी मौजूदगी के कारण राज ठाकरे के लिए कोई जगह नहीं है। वह अपनी रणनीतियां और पार्टी के झंडे का रंग बदलते रहते हैं। यह उनकी घटती प्रासंगिकता को दर्शाता है।' आठवले की रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (A) पिछले एक दशक से बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन का हिस्सा रही है।

फडणवीस सरकार में हिस्सेदारी का दावा

केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री अठावले ने विश्वास जताया कि उनकी पार्टी को देवेंद्र फडणवीस सरकार में प्रतिनिधित्व मिलेगा। अठावले ने महा विकास अघाड़ी (एमवीए) पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव में करारी हार के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के 'दुरुपयोग' का आरोप लगाना लोकतंत्र का अपमान है। उन्होंने कहा, 'विपक्ष ऐसी बहानेबाजी करके लोकतंत्र का अपमान कर रहा है।'आठवले के इन बयानों ने महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल मचा दी है। राज ठाकरे की पार्टी की लगातार गिरती साख और महायुति के मजबूत प्रदर्शन ने राजनीतिक समीकरण बदल दिए हैं।

पुणे में फोटो स्टूडियो में लगी भीषण आग, 7 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया

पुणे। पुणे के बावधन इलाके के शिंदेनगर में एक दुकान में भीषण आग लग गई। गनीमत रही की कोई जनहानि नहीं हुई। जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड की टीम ने सात नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालने में सफलता हासिल की है। फायर ब्रिगेड विभाग ने बताया कि दम घुटने के शिकायत के बाद उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुणे के बावधन इलाके के शिंदेनगर में पांच मंजिला इमारत है। ग्राउंड फ्लोर पर सड़क किनारे ढेले पड़े हैं। इसमें कुछ दुकानें हैं। तो दूसरी मंजिल से निवासियों के लिए फ्लैट हैं। इसी बीच पता चला कि यहां एक फोटो स्टूडियो की दुकान में आग लग गयी। भीषण धुआं निकलने के बाद नागरिकों ने इसकी जानकारी पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी। बताया जा रहा है कि फायर ब्रिगेड को 5:52 बजे आग लगने की जानकारी मिली।

वसई विरार मैराथन संपन्न,करीबी दोस्तों ने मारी बाजी

डीबीडी संवाददाता । विरार

12वीं वसई विरार शहर महानगरपालिका मैराथन (वीवीएमसीएम) देश की सर्वश्रेष्ठ मैराथन प्रतियोगिताओं में से एक मानी जाने वाली इस प्रतियोगिता में रविवार 8 दिसंबर को 58 लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। सतारा के कालिदास हिर्वे सिर्फ़ पांच सेकंड से कोर्स रिकॉर्ड से चूक गए, लेकिन उन्होंने पुरुषों की मैराथन जीत ली। हिर्वे के बाद उनके करीबी दोस्त प्रदीप सिंह चौधरी पांच सेकंड पीछे रहे। दो बार के विजेता, दो बार के उपविजेता और कोर्स रिकार्ड धारक मोहित राठौड़ तीसरे स्थान पर रहे। हिर्वे को 3 लाख रुपये का पुरस्कार मिला। इस रेस में तीनों प्रतियोगी 40 किलोमीटर तक एक दूसरे के बहुत करीब थे। पुरुषों की हाफ मैराथन में नेवी के रोहित वर्मा ने नितेश राठवाल को मात्र 1 सेकंड से हराकर शीर्ष दो स्थानों के लिए फोटो-फिनिश हासिल किया। वर्मा को हाफ मैराथन में 2 लाख रुपये की पुरस्कार राशि मिली। हरियाणा की एक किसान की बेटी और रेलवे कर्मचारी सोनिका ने 1:13.22 के समय के साथ महिलाओं की हाफ मैराथन जीती। वहीं हरियाणा की ही भारती 1:13.51 समय के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि साक्षी जदयाल 1:14.51 समय के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। सोनिका को पुरस्कार राशि के रूप में 2 लाख रुपये मिले। ओलंपिक और राष्ट्रमंडल पदक विजेता साक्षी मलिक, जिन्होंने इस आयोजन के लिए ब्रांड एंबेसडर के रूप में 15,000 धावकों को हरी झंडी दिखाई थी।

परिणाम (सभी अंतिम)

पूर्ण मैराथन

1.कालिदास हिरवे 2 घंटे 18 मिनट 19 सेकंड

2. प्रदीप सिंह चौधरी 2:18:24;

3. मोहित राठोड 2:19:06;

4. धनवत प्रल्हाद रामसिंहै 2:19:49; 5. अमित रमेश पाटील 2:25:13.

हाफ मैराथन

पुरुष (सर्व कोर्स रेकॉर्ड 1:04.37):

1. रोहित वर्मा 1:03:12; 2. नितेशकुमार रथवा 1:03:13; 3. दीपक कुंभार 1:03:16; 4. रिंकू सिंग 1:04:07; 5. शुभम सिंधू 01:04:13

महिलाः 1. सोनिका 1:13:12 (नया रिकार्ड); 2. भारती 1:13:51; 3. साक्षी जड्याल 1:14:21; 4. अर्चना जाधव 1:14:50; 5. तमसी सिंह 1:16:36

पालघर के रुद्र निलेश मोरे ने गोवा में रचा इतिहास

डीबीडी संवाददाता । पालघर

जिले के होनहार खिलाड़ी रुद्र निलेश मोरे ने गोवा में आयोजित 24वें कराटे वर्ल्ड कप में गोल्ड मेडल जीतकर न केवल जिले का बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया है। इस अद्वितीय सफलता के लिए योगीराज भारत भूषण भारतेंदु महाराज ने रुद्र को आशीर्वाद प्रदान किया और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। महाराज ने कहा, 'रुद्र आने वाले समय में देश के लिए ओलंपिक में गोल्ड मेडल अवश्य लाएगा। उसकी कड़ी मेहनत और संकल्प उसे सफलता की नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।' इस अवसर पर रुद्र और उसके साथियों को 'हर हाथ बांसुरी, हर सांस बांसुरी' अभियान के तहत बांसुरी प्रदान की गई। महाराज ने समझाया कि बांसुरी बजाने से फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है, पूरे शरीर और मस्तिष्क में ऑक्सीजन की भरपूर आपूर्ति होती है, जिससे शारीरिक और मानसिक विकास होता है। यह अभ्यास रुद्र जैसे खिलाड़ियों को अपने लक्ष्य तक पहुंचने में सहायता करेगा। रुद्र की इस उपलब्धि ने पालघर जिले में खुशी की लहर दौड़ा दी है। परिवार, मित्र, और जिलेवासी इस ऐतिहासिक क्षण पर गर्व महसूस कर रहे हैं।

24वें कराटे वर्ल्ड कप में जीता गोल्ड मेडल

ठाणे-बोरीवली टनल प्रोजेक्ट को मिली रफ़्तार

वन विभाग ने MMRDA को ट्रांसफर की 35.56 हेक्टेयर वन भूमि

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बोरीवली और ठाणे के बीच यात्रा के समय को कम करने के लिए अंडरग्राउंड ट्विन टनल का निर्माण किया जा रहा है, जो की संजय गांधी नेशनल पार्क के नीचे से गुजरने वाला है। अब इस प्रोजेक्ट को गति मिल गई है, क्योंकि वन विभाग ने मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एमएमआरडीए) को 35.56 हेक्टेयर वन भूमि प्रदान कर दी है। यह जमीन ठाणे और बोरीवली के दोनों छोर पर फैली हुई है, जहां सुरंग बनाने का काम होगा। भूमि का यह ट्रांसफर इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि उस जमीन पर रहने वाले 500 से 700 परिवारों का पुनर्वास भी शामिल है, जिसके लिए एमएमआरडीए के अधिकारी ने नोटिस भी जारी कर दी है, जिसमें वन भूमि सौंपने के बारे में सूचित किया गया है।

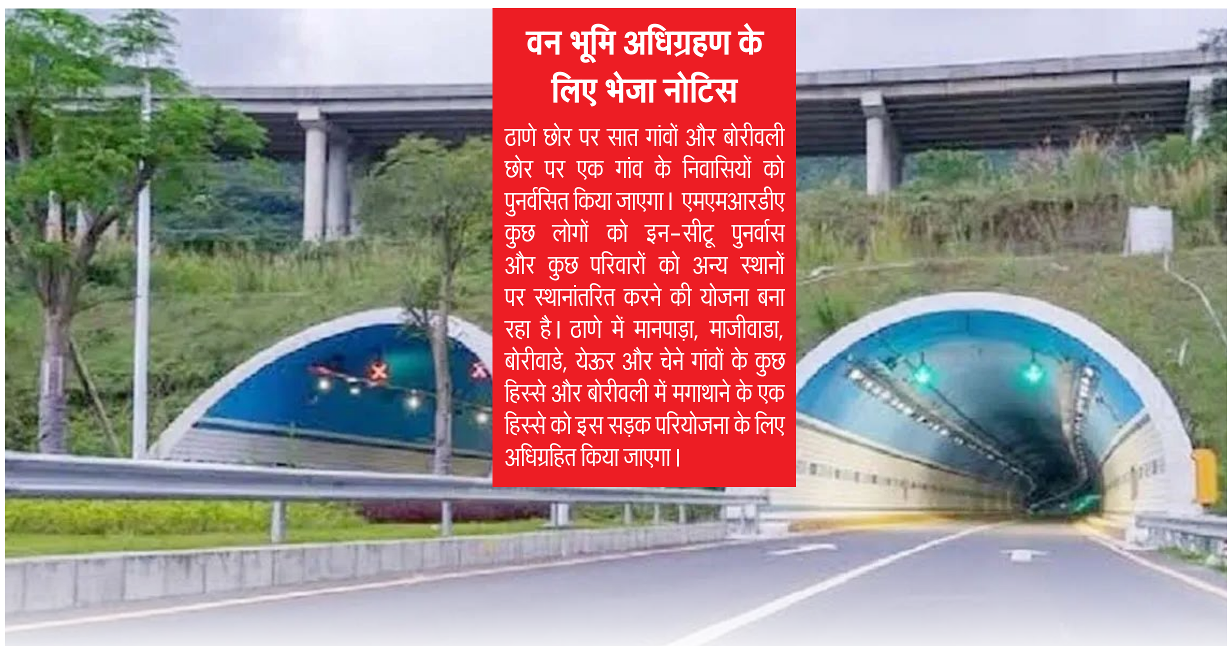

वन भूमि अधिग्रहण के लिए भेजा नोटिस

ठाणे छोर पर सात गांवों और बोरीवली छोर पर एक गांव के निवासियों को पुनर्वसित किया जाएगा। एमएमआरडीए कुछ लोगों को इन-सीटू पुनर्वास और कुछ परिवारों को अन्य स्थानों पर स्थानांतरित करने की योजना बना रहा है। ठाणे में मानपाड़ा, माजीवाडा, बोरीवाडे, येऊर और चेने गांवों के कुछ हिस्से और बोरीवली में मगाथाने के एक हिस्से को इस सड़क परियोजना के लिए अधिग्रहित किया जाएगा।

तीन चरणों में होगा टनल का काम

इस परियोजना के लिए टनल-बोरिंग मशीन (टीबीएम) अगले साल ही आने की उम्मीद है, क्योंकि वर्तमान में सरकारी अधिकारी निजी और वन भूमि दोनों के अधिग्रहण और प्रभावित परिवारों के पुनर्वास पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। टीबीएम का इस्तेमाल नेशनल पार्क में हरियाली को बनाए रखने के लिए किया जाएगा। बता दें कि टनल बनाने का काम अलग-अलग पैकेजों के साथ तीन चरणों में किया जाएगा।

ऐसी होगी ठाणे- बोरीवली टनल

ठाणे- बोरीवली टनल प्रोजेक्ट की लागत 18,800 करोड़ रुपये आंकी गई है। इसकी कुल लंबाई 11.8 किमी होगी जिसमें सुरंग-10.25 किमी और एप्रोच रोड 1.55 किमी शामिल है। सुरंग का बाहरी व्यास 13.05 मीटर होगा। इसमें 2 सुरंगें जिसमें प्रत्येक 2 लेन की होगी और एक आपातकालीन लेन होगी।

MVA से बाहर निकली सपा तो आदित्य ठाकरे ने किया पलटवार

'महाराष्ट्र में BJP की B टीम बनकर काम किया'

मुंबई। महाविकास अघाड़ी और समाजवादी पार्टी में तकरार नजर आई है और सपा ने महाविकास अघाड़ी से बाहर होने का ऐलान कर दिया है। इसी बीच शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के नेता आदित्य ठाकरे ने महाराष्ट्र सपा प्रमुख अबू आजमी को लेकर बड़ा बयान दिया है। आदित्य ठाकरे ने कहा, सपा महाराष्ट्र में बीजेपी की बी टीम है। शिवसेना (यूबीटी) के नेता मिलिंद नार्वेकर ने बाबरी मस्जिद ढहाये जाने को लेकर सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक पोस्ट किया और विज्ञापन जारी करके बाबरी मस्जिद ढहाये जाने पर बधाई दी। इसी के बाद से सपा ने महाविकास अघाड़ी से बाहर निकलने का ऐलान कर दिया।

आदित्य ठाकरे ने क्या कहा?

आदित्य ठाकरे ने कहा, सपा के बारे में बात नहीं करना चाहता हूं, प्रदेश में सपा नेता बीजेपी की बी टीम के रूप में काम कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा, अखिलेश यादव अपनी लड़ाई लड़ रहे हैं, लेकिन यहां के उनके कुछ नेता बीजेपी की मदद करते हैं, उनकी बी टीम के रूप में काम करते हैं और इन चुनावों में हम इसे देखते हैं, मैं इसके बारे में ज्यादा बात नहीं करना चाहता हूं। शिवसेना के नेता के जिस बाबरी मस्जिद के ट्वीट को लेकर दोनों दलों में विवाद पैदा हुआ उस ट्वीट के बारे में आदित्य ठाकरे ने कहा, कल का जो ट्वीट था वो हम पहले भी करते आए हैं। हमारा जो हिंदुत्व है स्पष्ट है हम ने कभी हिंदुत्व नहीं छोड़ा, हम हिंदुत्व के साथ हैं। हमारा हिंदुत्व हृदय में राम और हाथ को काम देने वाला हिंदुत्व है। उन्होंने आगे कहा, बीजेपी ने कहा था सबका साथ सब का विकास लेकिन हम असल में सबका साथ सबका विकास करते हैं। शिवसेना यूबीटी के नेता के ट्वीट के बाद महाराष्ट्र सपा प्रमुख अबू आजमी ने कहा था, शिवसेना की तरफ से बाबरी मस्जिद को ढहाये जाने के लिए लोगों को बधाई देते हुए एक अखबार में विज्ञापन दिया गया था।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड

न्यायिक हिरासत में 8 आरोपी, मामले की सुनवाई जारी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में अब मामले की विस्तृत जांच पूरी हो चुकी है। इसकी जानकारी खुद बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के अधिवक्ता अजिंक्य मिरगल ने दी है। उन्होंने बताया कि आज मुख्य शूटर और सप्लायर समेत 8 लोगों को कोर्ट में पेश किया गया है।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में पकड़े गए 26 आरोपियों में शूटर और सप्लायर दोनों शामिल है। इन 26 आरोपियों पर मकोका लगाया गया है, क्योंकि कई ऐसे अपराधी भी है जिनके ऊपर पहले भी किसी-न-किसी तरह का आपराधिक मामला दर्ज है।

अधिवक्ता अजिंक्य मिरगल ने दी जानकारी

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में अधिवक्ता अजिंक्य मिरगल ने कहा कि मुख्य शूटर और सप्लायर समेत 8 लोग कोर्ट में पेश हुए। विस्तृत जांच पूरी हो चुकी है 3 दिसंबर को जब सभी 26 आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया था, तब इन 8 लोगों की 4 दिन की पुलिस हिरासत मंजूर की गई थी। आगे कोई प्रगति नहीं हुई है पुलिस ने इन 8 आरोपियों की न्यायिक हिरासत मांगी थी, जो मंजूर कर ली गई हम चाहते हैं कि जल्द से जल्द चार्जशीट दाखिल की जाए, ताकि हम जमानत के लिए अर्जी दे सकें।

26 आरोपियों पर लगा मकोका

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में गिरफ्तार हुए सभी 26 आरोपियों पर अब महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एक्ट (मकोका) भी लगाया गया है। जानकारी दें कि, महाराष्ट्र सरकार ने साल 1999 में मकोका कानून बनाया था। इसका मुख्य मकसद संगठित और अंडरवर्ल्ड अपराध को खत्म करना है। बीते 22 नवंबर को, पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में अकोला जिले से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया था। तब इस जांच के संबंध में नागपुर गई अपराध शाखा की टीम ने अकोला के अकोट तहसील के पनाज निवासी सुमित दिनकर वाघ को गिरफ्तार किया था। इस मामले में यह 26वीं गिरफ्तारी है।

280 विधायकों ने ली शपथ, नहीं पहुंचे 8 विधायक

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में शनिवार को तीन दिवसीय विधानसभा के विशेष सत्र की शुरुआत हुई। रविवार को सत्र का दूसरा दिन था। पहले दिन 15 वीं विधानसभा के निर्वाचित हुए 288 विधायकों में से 174 ने गोपनीयता की शपथ ली। तो वहीं दूसरे दिन रविवार को कांग्रेस के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले, शिवसेना यूबीटी के विधायक आदित्य ठाकरे और बीजेपी के पूर्व मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा सहित 106 विधायकों ने शपथ ली। इन सभी को प्रोटेम स्पीकर कालिदास कोलंबकर ने शपथ दिलाई। महाराष्ट्र में कई ऐसे लोगों ने भी शपथ ली जो पहली बार विधायक चुने गए। इनमें शरद पवार के पोते रोहित पवार का नाम भी शामिल है, जिन्होंने रविवार को शपथ ली।

सत्र के दो दिनों में सूबे के नवनिर्वाचित 288 में से कुल 280 विधायकों ने शपथ ली। वहीं बाकी बचे 8 विधायक सोमवार को शपथ ग्रहण कर सकते हैं। जो विधायक शपथ नहीं ले पाए थे वो अपने निजी कारणों की वजह से सदन में मौजूद नहीं हो पाए थे। इन विधायकों में उत्तमराव जानकर, विलास भुमरे, वरुण सरदेसाई, मनोज जामसुतकर, विनय कोरे, जयंत पाटिल, शेखर निकम और सुनील शेलके शामिल हैं।

सोमवार को शपथ ले सकते हैं 8 विधायक

बताया जा रहा है कि विधायक वरुण सरदेसाई मुंबई से बाहर थे, वहीं मनोज जामसुतकर बीमारी के चलते शपथ लेने नहीं पहुंच पाए। इसके अलावा विधायक शेखर निकम अपने बेटे के दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए ऑस्ट्रेलिया गए हैं इसलिए वो भी शपथ नहीं ले पाए। इसी तरह अन्य विधायकों के भी निजी कारण थे। ऐसे में कहा जा रहा है कि ये 8 विधायक सोमवार को विधानसभा अध्यक्ष के केबिन में शपथ ले सकते हैं।

शिवाजी पार्क मैदान में हुआ था सीएम का शपथ ग्रहण

इससे पहले मुंबई के ऐतिहासिक शिवाजी पार्क मैदान में मुख्यमंत्री का भव्य शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया था। बीजेपी के कद्दावर नेता देवेंद्र फडणवीस ने तीसरी बार सीएम पद की शपथ ली थी। वहीं एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत एनडीए के तमाम दिग्गज नेताओं समेत बीजेपी शासित राज्यों के सीएम और साधु संत के अलावा बॉलीवुड एक्टर्स ने भी शिरकत की थी।

मुंबई में भारतीय डाक के नवीनीकृत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार केंद्र का उद्घाटन

मुंबई। वंदिता कौल, सचिव (डाक) द्वारा मुंबई में नवीनीकृत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार केंद्र का उद्घाटन किया गया । इस अवसर पर अमिताभ सिंह, मुख्य पोस्टमास्टर जनरल महाराष्ट्र सर्किल उपस्थित रहे।कार्यक्रम की शुरुआत भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. बी.आर. अंबेडकर को श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। इस कार्यक्रम में मनोज कुमार, निदेशक डाक सेवाएं (मेल्स एवं व्यवसाय विकास), भिजीत बनसोडे, निदेशक डाक सेवाएं (मुख्यालय), पांडुरंग चोरमाले, वरिष्ठ अधीक्षक रेल डाक सेवा और अन्य अधिकारी भी शामिल हुए। कौल ने महाराष्ट्र सर्किल टीम के समर्पण की

भावना की सराहना की और भारतीय डाक के भविष्य के विकास के लिए बहुमूल्य जानकारी साझा की।

शिवसेना के ये 11 विधायक बनेंगे मंत्री, दो दिग्गजों का कट सकता है पत्ता

मुंबई। महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में नई सरकार का गठन हो चुका है जिसमें महायुति के दो दलों- शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे और एनसीपी प्रमुख अजित पवार उप मुख्यमंत्री बने हैं। सरकार गठन के बाद अब मंत्रिमंडल गठित करने की प्रक्रिया तेज हो गई है। ताजा खबर ये है कि शिवसेना कोटे से इस बार 11 विधायक मंत्री बन सकते हैं। शिवसेना ने राज्य मंत्रिमंडल में शामिल करने के लिए अपने पूर्व मंत्रियों और संभावित मंत्रियों की सूची तैयार कर ली है। इस बार जो सूची सामने आ रही है उसमें दो पूर्व मंत्रियों का पत्ता साफ होता दिख रहा है और उनकी जगह नए चेहरों को जगह मिलती दिख रही है।

इन दो मंत्रियों का पत्ता साफ

सूत्रों ने बताया कि पूर्व मंत्री संजय राठौड़ और अब्दुल सत्तार को उनके पिछले प्रदर्शन और आरोपों को देखते हुए मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने की संभावना नहीं है। शिवसेना से 5 नए विधायकों को शामिल किए जाने की संभावना है। शिवसेना के मंत्री पद के दावेदार भरतशेठ गोगावले, संजय शिरसाट, प्रताप सरनाईक, अर्जुन खोतकर और विजय शिवतारे को कैबिनेट में जगह मिल सकती है। माना जा रहा है कि महायुति में शिवसेना को 13 से 14 मंत्री पद मिलेंगे। इनमें से 10 से 12 मंत्री इसी सप्ताह शपथ लेंगे।

ये 11 विधायक बनेंगे मंत्री!

शिवसेना की पात्रता परीक्षा पास करने वाले और मंत्री पद की शपथ लेने वाले संभावित मंत्रियों के बारे में यह जानकारी पार्टी के वरिष्ठ सूत्रों ने दी है। शिवसेना की प्रगति बुक में खरे उतरने वाले संभावित मंत्री हो सकते हैं।

1) गुलाबराव पाटिल
2) उदय सामंत
3) दादा भुसे
4) शंभुराज देसाई
5) तानाजी सावंत
6) दीपक केसरकर
7) भरतशेठ गोगावले
8) संजय शिरसाट
9) प्रताप सरनाईक
10) अर्जुन खोतकर
11) विजय शिवतारे

राज्य में कुल 43 विधायक बन सकते हैं मंत्री

आपको बता दें कि राज्य में कुल 288 विधानसभा सीटों पर चुनाव हुए हैं। इस बार चुनाव में बीजेपी एक बार फिर सबसे बड़ी पार्टी बनी और 132 सीटों पर चुनाव जीता। दूसरे नंबर पर शिवसेना ने 57, एनसीपी ने 41 सीटें हासिल की हैं। यहां मुख्यमंत्री समेत मंत्रिमंडल की क्षमता 43 है। यानी कैबिनेट और राज्यमंत्री दोनों की संख्या इससे ज्यादा नहीं हो सकती है। अब तक तीनों ही दलों के 29 मंत्री थे। इनमें बीजेपी-शिवसेना के 10-10 और एनसीपी के 9 मंत्री थे।

ऑपरेशन नन्हें फरिश्ते के तहत आरपीएफ का बेतरीन कार्य

ऑपरेशन अमानत के तहत यात्रियों के खोए हुए सामान को वापस पाया

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) को रेलवे संपत्ति, यात्री क्षेत्र और यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह 'ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते' के तहत बच्चों को बचाने की जिम्मेदारी भी निभा रहा है। जनवरी से नवंबर-2024 की अवधि के दौरान, मध्य रेल के आरपीएफ ने गवर्नमेंट रेलवे पुलिस (जीआरपी) और अन्य फ्रंटलाइन रेलवे कर्मचारियों के साथ समन्वय करके कुल 1099 बच्चों (740 लड़के और 359 लड़कियां) को बचाया और उनके परिवारों से मिलाया। इसमें चाइल्डलाइन जैसे गैर सरकारी संगठनों की मदद से अपने माता-पिता से मिलवाए गए लड़के और लड़कियां शामिल हैं। जनवरी से नवंबर-2024 के दौरान मध्य रेल पर बचाए गए बच्चों का मंडल-वार ब्यौरा दिया है।

बचाए गए बच्चे

मुंबई मंडल - 379 बच्चे (242 लड़के और 137 लड़कियां),भुसावल मंडल - 247 बच्चे (141 लड़के और 106 लड़कियां),पुणे मंडल - 246 बच्चे (211 लड़के और 35 लड़कियां),नागपुर मंडल - 168 बच्चे (107 लड़के और 61 लड़कियां) और सोलापुर मंडल - 59 बच्चे (39 लड़के और 20 लड़कियां). नवंबर-2024 के दौरान बचाए गए बच्चों की संख्या 124 थी, जिसमें 78 लड़के और 46 लड़कियां शामिल थीं। इसकी तुलना में जनवरी से नवंबर-2023 के दौरान बचाए गए बच्चों की संख्या 1053 बच्चे (741 लड़के और 312 लड़कियां) थी। रेलवे स्टेशन पर बिना किसी झगड़े, पारिवारिक समस्याओं या बेहतर जीवन या शहर की चकाचौंध की तलाश में आए बच्चों को प्रशिक्षित आरपीएफ कर्मियों द्वारा ढूंढा जाता है। ये प्रशिक्षित आरपीएफ कर्मी बच्चों से जुड़ते हैं, उनकी समस्याओं को समझते हैं और उन्हें उनके माता-पिता से मिलाने के लिए परामर्श देते हैं। कई माता-पिता इस नेक सेवा के लिए अपनी गहरी कृतज्ञता और आभार व्यक्त करते हैं।

ऑपरेशन अमानत

रेलवे संपत्ति की सुरक्षा के मूल कर्तव्य के अलावा, ऑपरेशन 'अमानत' के तहत आरपीएफ ने अपने कर्तव्य से आगे बढ़कर जरूरतमंद यात्रियों की मदद की है और यात्रियों के खोए या पीछे छूटे सामान, मोबाइल फोन, लैपटॉप, आभूषण, नकदी आदि जैसी कीमती वस्तुएं बरामद की हैं और उन्हें वापस किया है। चालू वर्ष के दौरान जनवरी से नवंबर-2024 तक ऑपरेशन 'अमानत' के तहत आरपीएफ ने यात्रियों के 1491 सामान बरामद किए हैं, जिनकी कीमत 5.22 करोड़ रुपये है। इनमें से 43.72 लाख रुपये मूल्य के 157 सामान अकेले नवंबर-2024 के महीने में बरामद किए गए। इसकी तुलना में जनवरी से नवंबर-2023 की अवधि के दौरान 4.12 करोड़ रुपये मूल्य के 1494 सामान बरामद किए गए। इनमें बैग, मोबाइल फोन, पर्स, लैपटॉप और अन्य कीमती सामान शामिल हैं। यात्रियों के बरामद सामान का मंडल वार ब्यौरा।

मुंबई मंडल 649 सामान जिसकी कीमत 2.55 करोड़ रुपये है,भुसावल मंडल 261 सामान जिसकी कीमत 1.07 करोड़ रुपये है,नागपुर मंडल 322 सामान जिसकी कीमत 67.89 लाख रुपये है,सोलापुर मंडल 88 सामान जिसकी कीमत 51.86 लाख रुपये है,पुणे मंडल 171 सामान जिसकी कीमत 39.73 लाख रुपये है. रेलवे सुरक्षा बल के इन जवानों को यात्रियों और रेलवे संपत्तियों के खिलाफ अपराध, चरमपंथी हिंसा, ट्रेन की आवाजाही में बाधा आदि जैसी विविध सुरक्षा चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है।

रेलवे सुरक्षा बल के इन बहादुर जवानों के काम को संक्षेप में सुरक्षा, सतर्कता और सेवा एक रूप कहा जा सकता है और उन्होंने अपने कर्तव्यों का निर्वहन सदैव पूरी निष्ठा, सतर्कता और साहस के साथ किया है।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

संपादकीय

जनसंख्या पर भाजपायी विमर्श को बढ़ाते भागवत

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने लोगों से दो से ज्यादा बच्चे पैदा करने की गुजारिश की है और उसे जनसंख्या विज्ञान के 2.1 के फार्मूले से जोड़कर चाहे सियासी अर्थों को छिपाने की कोशिश की हो, लेकिन सच्चाई यह है कि इस बयान के पीछे उनके संगठन के वे ही पुराने गहन राजनैतिक मकसद मौजूद हैं जिसके लिये वह जानी जाती है- ध्रुवीकरण। उनका बयान ऊपरी खुले तौर पर चाहे संघ की राजनीतिक विंग भारतीय जनता पार्टी द्वारा अब तक की सोच के विपरीत दिखाई देता हो, जो देश के सामने अक्सर बढ़ती आबादी को लेकर चिंता जताती आई है, परन्तु भागवत के बयान को भाजपा के लिये एक दिशानिर्देश की तरह भी देखा जा रहा है। बहुत सम्भव है कि केन्द्र सरकार भागवत के बयान के अनुकूल कोई ऐसी जनसंख्या नीति लेकर आये जिससे हिन्दुओं की आबादी को बढ़ाया जा सके। संघ और भाजपा जनसंख्या सम्बन्धी वास्तविक तथ्यों व आंकड़ों को दरकिनार कर यह प्रचारित करती आई है कि देश में हिन्दुओं की आबादी घट रही है और मुस्लिमों की बढ़ रही है। देश में इस्लामोफोबिया बढ़ाने के लिये जनसंख्या को गलत तरीके से पेश करना संघ-भाजपा की पुरानी नीति है। अनेक महत्वपूर्ण मौकों पर भागवत हों या इन दो संगठनों से जुड़े लोग, इसका डर दिखाते रहे हैं। नागपुर में एक संगठन के सम्मेलन में दिये भाषण में भागवत ने कहा कि- '2.1 की कम प्रजनन दर वाला समाज अपने आप नष्ट हो जाता है।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 'इससे कम जनसंख्या वाला समाज तब भी नष्ट हो जाता है जब कोई संकट न हो।' बिना संकट के भी ऐसे समाज के नष्ट होने की बात उन्होंने सम्भवतः इसलिये कही होगी ताकि लोग इस बात को तार्किक व वैज्ञानिक आधारों वाला कोई निष्कर्ष समझें और उन पर यह तोहमत न लगे कि वे लोगों को डरा रहे हैं या हिन्दू-मुस्लिम कर रहे हैं। उन्होंने कई भाषाओं और समाज के नष्ट होने की बात करते हुए लोगों को चेताया कि प्रजनन दर 2.1 से कम नहीं होनी चाहिये। इस वृद्धि दर को बनाये रखने के लिये लोगों को दो से ज्यादा (यानी तीन) बच्चे पैदा करने चाहिये। उन्होंने याद दिलाया कि देश में 1998 और 2002 में जो जनसंख्या सम्बन्धी नीतियां तय की गयी थीं उनमें भी 2.1 की दर को बनाये रखने की बात कही गयी थी। हालांकि उन्होंने अमूमन कम याददाश्त वाली जनता के सामने स्पष्ट नहीं किया कि ये दोनों नीतियां भारतीय जनता पार्टी प्रणीत नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस शासित कार्यकाल में लाई गयी थीं। चूंकि उनमें अनेक ऐसे राजनीतिक दलों का समावेश था जो इस मामले में दूसरी राय रखते थे, यह नीति कभी भी प्रभावशाली ढंग से लागू नहीं हो पाई थी। अटल बिहारी वाजपेयी वाली यह सरकार 2004 में जाती रही तथा उसके बाद आई यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट की सरकार (पीएम डॉ. मनमोहन सिंह- दो कार्यकाल) ने इस अनर्गल विषय को तूल देने या बढ़ती आबादी को लेकर रोना-धोना करने की बजाय अधिकतम आबादी को काम देने की नीति पर कार्य किया। 2014 में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने भी इस पर कोई काम करने की बजाय सियासी मुद्दा बनाकर समाज के भीतर उसे जिन्दा रखा। अपने पहले कार्यकाल (2014-19) के दौरान मोदी आबादी को लेकर एक सकारात्मक रवैया अख्तियार करते नज़र आये। उन्होंने अधिक जनसंख्या को, खासकर युवाओं की बहुलता के कारण भारत के लिये एक सौगात बताया। यह एक तरह से चीन की तरह की रणनीति अपनाने जैसा था जिसने बड़ी आबादी को अपनी ताकत बना दिया है। चूंकि पहले-पहल के मोदी भारत को चीन और अमेरिका के मुकाबले में लाने के दावे करते रहे, इसलिये कुछ समय तक तो उनकी पार्टी ने भी देश की आबादी बढ़ने का दुखड़ा सुनाना बन्द कर दिया जो इसका ठीकरा अक्सर मुस्लिम समुदाय पर फोड़ते थे। यह कारगर साबित इसलिये नहीं हुआ क्योंकि भाजपा और संघ के लोग हमेशा से जो बात सुनते आये थे और जिस पर भरोसा करते रहे, मोदी उसके विपरीत बोल रहे थे। साथ ही, जैसे-जैसे मोदी की नीतियां दगा देने लगीं, मोदी, भाजपा और संघ को अल्पसंख्यकों के विरूद्ध बहुसंख्यकों की लामबन्दी की ज़रूरत अधिक पड़ने लगी।

शख्सियत | होमाई व्यारावाला

भारत की पहली महिला फोटो पत्रकार

होमाई व्यारावाला, जिन्हें भारत की पहली महिला फोटो पत्रकार के रूप में जाना जाता है, भारतीय पत्रकारिता के इतिहास में एक प्रेरणादायक नाम हैं। उनका जन्म 9 दिसंबर 1913 को गुजरात के नवसारी में हुआ। होमाई का बचपन मुंबई में बीता, जहाँ उन्होंने फोटोग्राफी की शिक्षा प्राप्त की। 1930 के दशक में उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की। उस समय, फोटोग्राफी और पत्रकारिता पुरुष प्रधान क्षेत्र माने जाते थे। होमाई ने इन सीमाओं को तोड़ते हुए अपनी एक अलग पहचान बनाई। वह 'डालडा 13' के नाम से भी जानी जाती थीं, जो उनके पहले कैमरे और उनकी गाड़ी के नंबर प्लेट से प्रेरित था।

होमाई ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सुभाष चंद्र बोस और अन्य नेताओं की ऐतिहासिक तस्वीरें खींचीं। उनकी तस्वीरें केवल चित्र नहीं थीं, बल्कि वे उस दौर की कहानियाँ बयां करती थीं। स्वतंत्रता के बाद, होमाई ने कई ऐतिहासिक घटनाओं को अपने कैमरे में कैद किया, जैसे लाल किले पर तिरंगा फहराने का पहला दृश्य।

1969 में, अपने पति मानेकशॉ व्यारावाला की मृत्यु के बाद, होमाई ने फोटोग्राफी से संन्यास ले लिया और वडोदरा में एक साधारण जीवन बिताने लगीं। उन्हें 2011 में भारत सरकार द्वारा पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया।

होमाई व्यारावाला केवल एक फोटो पत्रकार नहीं थीं; वे महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत थीं। उन्होंने दिखाया कि जुनून और दृढ़ता से कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। 15 जनवरी 2012 को 98 वर्ष की आयु में उनका निधन हुआ, लेकिन उनकी तस्वीरें आज भी भारतीय इतिहास का जीवंत दस्तावेज हैं।

होमाई का जीवन साहस, प्रतिभा और समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने फोटोग्राफी के क्षेत्र में महिलाओं के लिए रास्ता बनाया और साबित किया कि एक महिला अपनी मेहनत से इतिहास रच सकती है।

घटक दलों से सामंजस्य की बनी रहेगी चुनौती

वेद विलास उनियाल

महाराष्ट्र में अपने विस्तार की इच्छा रखने वाली बीजेपी के लिए विधानसभा के नतीजों के बाद देंवेंद्र फडणवीस के नाम पर शीर्ष नेतृत्व की सहमति होना स्वाभाविक था। आखिरकार देवेंद्र फडणवीस ने तीसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे में कुर्सियां बदल गई। हालांकि, प्रचंड बहुमत के बाद महायुति की राज्य सरकार जिस सहजता से बन जानी चाहिए थी उसमें एकनाथ शिंदे को सहमत कराने में 11 दिन लग गए। महायुति के प्रचंड बहुमत का श्रेय देवेंद्र फडणवीस को मिला। उन्होंने हर मोड़ पर शीर्ष नेतृत्व का भी भरोसा जीता। लोकसभा के परिणाम के बाद विधानसभा चुनाव महायुति के लिए काफी कठिन माना जा रहा था। महाविकास अघाड़ी से अकेले ढाई गुना सीट मिलने पर आभास हो गया था अब बीजेपी नेतृत्व अपने पास ही रखेगी। केवल जातीय समीकरणों की बिसात पर अगर मराठा नेता को नेतृत्व सौंपने की जरूरत होती तब फैसला बदल सकता था। इसके साथ ही यह संदेश दिया है कि पार्टी अपने लक्ष्यों को भूली नहीं है। लोकसभा चुनाव के परिणाम के साथ ही बीजेपी ने महाराष्ट्र पर फोकस कर दिया था। निश्चित आरएसएस भी महाराष्ट्र में सक्रिय हुआ। सीटों के समीकरणों के साथ कार्यकर्ताओं को धरातल पर काम करने के लिए प्रेरित किया गया। सहयोगी दलों के साथ अधिकतम सहमति के सिद्धांत पर काम किया गया। बीजेपी ने जिस सनातन के पहलू पर अपना फोकस किया राज्य में उसकी सबसे बड़ी आवाज देवेंद्र फडणवीस ही बने। बेशक रणनीतियों पर मुहर शीर्ष स्तर पर लगी हो लेकिन इसके सूत्रधार देवेंद्र फडणवीस ही रहे। एनडीए की सफलता में लाड़की बहन योजना, वोट का ध्रुवीकरण, मोदी योगी का करिश्मा, अमित शाह का रणनीतिक चातुर्य काम आया हो लेकिन महाराष्ट्र में जीत के प्रांगण को सजाने की असली जिम्मेदारी देवेंद्र फडणवीस को ही सौंपी गई थी। देवेंद्र फडणवीस के सामने कई अलग ढंग की चुनौतियां भी थी। मराठा आरक्षण की सियासत में एनसीपी नेता शरद पवार अगर किसी को उलझाना चाहते थे तो वह देवेंद्र फडणवीस ही थे। बेशक राज्य में एनडीए सरकार ने मराठा आरक्षण के मसले को सुझलाने के लिए अपने स्तर पर पहल कर दी थी। लेकिन मराठा आंदोलन में कुछ ऐसे जटिल पेंच कसे गए थे कि महाराष्ट्र विदर्भ के इस नेता के लिए यह चक्रव्यूह बन सकता था। देवेंद्र फडणवीस ने पार्टी के अंदर और बाहर दोनों मोर्चों पर सधे हुए राजनेता की तरह कदम बढाए। 2014 में पहली बार सत्ता मिली तो उसे बेहतर ढंग चलाने की कोशिश की। महाराष्ट्र के नाटकीय राजनीतिक घटनाक्रम पर सरकार से दूर हुए तो विपक्ष के तेजतर्रार नेता के बतौर अपनी छवि को सामने रखा। बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व ने शिंदे को सत्ता सौंपने का निर्णय लिया तो अनुशासित कार्यकर्ता की तरह सहमति जताई। शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर वह शिंदे सरकार में डिप्टी सीएम बनने को तैयार हो गए। साथ ही उनकी एकनाथ शिंदे और अजित पवार के साथ भी बेहतर केमिस्ट्री रही। देवेंद्र फडणवीस पार्टी के अंदर विपरीत खेमों को भी अपने ढंग से साधते रहे। बीजेपी इस बात का आकलन करती रही है कि महाराष्ट्र की सियासत में शरद पवार किसी न किसी तरह एक धुरी बने रहते हैं। ऐसे में मराठा नेता शरद पवार के सामने बीजेपी का कोई नेता दमखम से सामने आ सकता था तो प्रमोद महाजन और गोपीनाथ मुंडे के बाद देवेंद्र फडणवीस में यह क्षमता देखी गई। राज्य में नेतृत्व के लिए चंद्रशेखर बावनकुले, विनोद तावड़े चंद्रकांता पाटिल और मुरलीधर मोहोल के नामों की भी चर्चा अलग अलग तरह से चली। लेकिन बीजेपी और संघ ने कई पहलुओं को देखते हुए आखिर देवेंद्र फडणवीस पर ही सहमति बनाई।

महायुति के सामने महाविकास अघाड़ी के आकड़े भले ही झूल रहे हों लेकिन यह लड़ाई का अंत नहीं है। सही मायनों में शिवसेना बीजेपी के 1988 में एक मंच पर आने के बाद बीजेपी ने 2014 में एक मुकाम हासिल किया। 2019 में शिवसेना ने महसूस किया कि बीजेपी को नेतृत्व देकर वह सत्ता की भागीदार तो होगी लेकिन उसका संगठन दरकता चला जाएगा। ऐसे में वह कांग्रेस एनसीपी के पाले में जाने के लिए भी तैयार हो गई। लेकिन परिस्थितियां इस तरह बदली कि बगावत से निकली शिंदे शिवसेना धरातल पर भी ज्यादा मजबूत दिखी। इसी तरह एनसीपी अजित की बिसात में असली नकली का खेल ही बदल गया। आगे वर्चस्व बनाने का यह संघर्ष कई कोणों पर दिख सकता है। गौरतलब है कि जिस तरह चुनाव परिणाम के बाद शिंदे शिवसेना के तेवर दिखे हैं उसमें फडणवीस को आगे सजग रहना होगा। एकनाथ शिंदे के डिप्टी सीएम बनने के लिए जिस तरह लंबी कवायद चली उसमें आगे के लिए भी कुछ संकेत मिल जाते हैं। शिंदे शिवसेना की खींचतान बीजेपी से ज्यादा एनसीपी के साथ दिख सकती है। ऐसे में मंत्रिमंडल के गठन से लेकर आगे की तमाम गतिविधियों में महायुति में आंतरिक प्रतिस्पर्धा होना स्वाभाविक है। खासकर स्थानीय निकाय के चुनाव में भी अपनी ताकत और वर्चस्व के लिए खींचतान रूठना मनाना दिख सकता है। ऐसे में इन परिस्थितियों पर संतुलन बनाए रखने की जिम्मेदारी देवेंद्र फडणवीस पर ही होगी।

महाराष्ट्र के आगे की सियासत में बीजेपी के लिए सरकार, संगठन और संघ में तारतम्य बनाने के साथ साथ साथी घटकों को साधने की भी जरूरत है। ऐसे में बीजेपी ने इस चुनौती भरे काम के लिए देवेंद्र फडणवीस की ओर देखा है। देवेंद्र फडणवीस के लिए इस दौर पर कुछ कठिन चुनौतियां भी हैं तो वोट की आंधी ने कुछ सहूलियत भी दी है। वर्ष 2019 में देवेंद्र फडणवीस ने सत्ता छिनने पर कहा था मैं समुद्र हूं लौट आऊंगा। आज सत्ता उनके हाथ में है। राज्य की बेहतरी के लिए अभिनव प्रयोग देवेंद्र फडणवीस को करने होंगे।

जीवन मंत्र

हवाएं सबसे बड़ी संदेश वाहक

जब आदि शंकराचार्य मंडन मिश्र का घर ढूंढ़ते हुए पहुंचे थे। नगर में एक कुंए पर पानी पीने के लिए रुके, वहां कुछ स्त्रियां पानी भर रही थीं, उनसे शंकराचार्य ने पूछा, आचार्य मंडन मिश्र का घर कहां मिलेगा?

अमेजन का वितरण करने वाला लड़का सामान देने आया था। ये लोग हवा के झोंकों की तरह आते हैं और सामान देकर गायब हो जाते हैं। इनका एक खास व्यक्तित्व होता है। उनसे हम एक खास तरह के आचरण की अपेक्षा रखते हैं। लड़के ने मेरा पार्सल थमाया और मुस्कराकर बोला, 'नेवर बॉर्न नेवर डाइड।' मैं इतनी चौंक गई कि मेरे हाथ से पार्सल गिर गया। मैंने पूछा, 'तुम कैसे जानते हो इन शब्दों को?' उसने कहा, 'यहीं आसपास रहता हूं, तो बातें कानों से गुजरती हैं।'

चौंकने वाली बात इसलिए है, क्योंकि ओशो के बेडरूम में पलंग के नीचे उनकी अस्थियां रखी हुई हैं, उस पर ओशो के लिखवाए हुए ये शब्द हैं : 'ओशो नेवर बॉर्न नेवर डाइड, ओनली विजिटेड दिस प्लैनेट अर्थ बिटवीन 11 दिसंबर, 1931 ऐंड 19 जनवरी, 1990' यानी 'ओशो न कभी जन्मे, न कभी विदा हुए, केवल इस ग्रह (पृथ्वी) का 11 दिसंबर, 1931 से 19 जनवरी, 1990 के बीच दौरा किया।'

यह बेडरूम ओशो मेडिटेशन रिजॉर्ट के अंतर कक्ष में है। वहां सिर्फ साधक ही जा सकते हैं और उसके लिए उन्हें प्रवेश पास खरीदना होता है। उसका उपयोग सिर्फ ध्यान के लिए होता है। और ये शब्द उन्हीं के लिए महत्वपूर्ण हैं, जो ओशो के मुरीद हैं। फिर इस अमेजन के वायुदूत की जुबान पर कैसे चढ़ गए? शायद ये शब्द इतने मशहूर हो गए हैं कि सुगंध की तरह आसपास की हवा में तैर रहे हैं।

इससे मुझे वह कहानी याद आई, जब आदि शंकराचार्य मंडन मिश्र का घर ढूंढ़ते हुए पहुंचे थे। नगर में एक कुंए पर पानी पीने के लिए रुके, वहां कुछ स्त्रियां पानी भर रही थीं, उनसे शंकराचार्य ने पूछा, आचार्य मंडन मिश्र का घर कहां मिलेगा? स्त्रियां बोलीं, सीधे चलते जाओ, जिस घर के आसपास तोते ज्ञान की बातें कहते हुए मिलेंगे, वही मंडन मिश्र का घर होगा।

यह किसी और काल की बात है। आजकल जमाना प्रचार और विज्ञापन का है। लाखों करोड़ों खर्च करके कोई बात लोगों के गले उतारी जाती है, उसे बार-बार दोहराना पड़ता है, ताकि वे भूल न जाएं, लेकिन इसके बावजूद विज्ञापनदाता सफल नहीं हो पाते। इसके विपरीत कुछ खबरें, कुछ शब्द, कुछ कल्पनाएं दूर दिगंत तक पहुंच जाती हैं, मानो हवाएं उन्हें उड़ाकर ले जाती हैं।

समुद्र कब विज्ञापन करता है कि ओ नदियो, मेरे पास आओ, मैं समुद्र हूं, तुम्हारा अंतिम पड़ाव। समुद्र का होना ही काफी है। उसकी शक्ति इतनी प्रबल है कि सारे जल स्रोत चुंबक की तरह खींचे चले आते हैं। न फूल भौरों को कोई संदेश भेजते हैं कि देखो, हम खिल गए हैं। हवाएं उनकी सुगंध को फैला देती हैं। अस्तित्व एक इकाई है, यहां सब एक-दूसरे से जुड़ा है।

-अमृत साधना

जीवन ऊर्जा

पीटर क्रोपॉटकिन: जन्म 9 दिसंबर 1842 | जन्म

दया और करुणा ही मानवता का मूल आधार हैं

पीटर क्रोपॉटकिन का जन्म 9 दिसंबर 1842 को रूस में हुआ। वे एक प्रसिद्ध दार्शनिक, भूगोलवेत्ता और अराजकतावादी विचारक थे। उन्होंने समानता, स्वतंत्रता और सहकारिता के विचारों को बढ़ावा दिया। उनकी रचनाएँ सामाजिक बदलाव की प्रेरणा बनीं। उनका निधन 8 फरवरी 1921 को हुआ।

स्वतंत्रता केवल व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं है; यह पूरे समाज की भलाई के लिए है। सहकारिता के बिना मानवता का विकास असंभव है। शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण करना है। क्रांति का असली उद्देश्य समानता और न्याय लाना है। सबसे बड़ा साहस है अपने विचारों को स्वतंत्र रूप से व्यक्त करना। एक समाज की सच्ची शक्ति उसकी एकजुटता में निहित होती है। हर व्यक्ति में बदलाव लाने की शक्ति होती है, बशर्ते वह इसे महसूस करे। दया और करुणा ही मानवता का मूल आधार हैं। वास्तविक स्वतंत्रता दूसरों की स्वतंत्रता का सम्मान करने में है। व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयास से ही समाज में सुधार संभव है। एकजुटता किसी भी चुनौती का

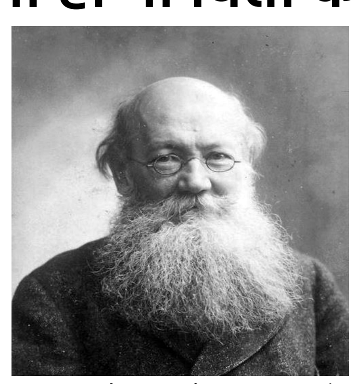

सामना करने का सबसे बड़ा हथियार है। शिक्षा का उद्देश्य स्वतंत्र सोच को बढ़ावा देना होना चाहिए। समाज में न्याय और समानता ही स्थायी शांति ला सकते हैं।मेहनत और ईमानदारी से हासिल की गई चीजें ही वास्तविक संतोष देती हैं। मानवता की प्रगति का आधार पारस्परिक सहायता है। स्वतंत्रता तब तक अधूरी है जब तक हर व्यक्ति स्वतंत्र न हो। किसी भी संघर्ष में नैतिकता को बनाए रखना सबसे बड़ी जीत है। सच्चा नेता वही है जो दूसरों को प्रेरित करता है, उन्हें नियंत्रित नहीं करता। प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर ही जीवन को खुशहाल बनाया जा सकता है। सहकारिता के सिद्धांत को अपनाने से ही समाज में सच्चा विकास संभव है। बदलाव की शुरुआत हमेशा व्यक्ति से होती है। समानता का अर्थ है हर व्यक्ति को अपने अधिकारों का पूरा उपयोग करने का अवसर। क्रांति केवल परिवर्तन नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है। खुशी पाने का सबसे अच्छा तरीका दूसरों की मदद करना है। केवल विचारों से बदलाव नहीं आता, उनके लिए प्रयास भी करना पड़ता है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

सत्य बहुत ही सरल है

एक बुजुर्ग शिक्षिका भीषण गर्मियों के दिनों में बस में सवार हुई, पैरों के दर्द से बेहाल, लेकिन बस में सीट न देख कर जैसे – तैसे खड़ी हो गई। कुछ दूरी ही तय की थी बस ने कि एक उम्रदराज औरत ने बड़े सम्मानपूर्वक आवाज़ दी, आ जाइए मैडम, आप यहाँ बैठ जाएं" कहते हुए उसे अपनी सीट पर बैठा दिया। खुद वो गरीब सी औरत बस में खड़ी हो गई। मैडम ने दुआ दी, बहुत-बहुत धन्यवाद, मेरी बुरी हालत थी सच में। उस गरीब महिला के चेहरे पर एक सुकून भरी मुस्कान फैल गई। कुछ देर बाद शिक्षिका के पास वाली सीट खाली हो गई। लेकिन महिला ने एक और महिला को, जो एक छोटे बच्चे के साथ यात्रा कर रही थी और मुश्किल से बच्चे को ले जाने में सक्षम थी, को सीट पर बिठा दिया। अगले पड़ाव पर बच्चे के साथ महिला भी उतर गई, सीट

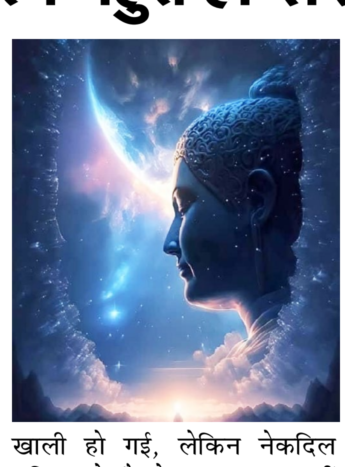

खाली हो गई, लेकिन नेकदिल महिला ने बैठने का लालच नहीं किया, बस में चढ़े एक कमजोर बूढ़े आदमी को बैठा दिया जो अभी अभी बस में चढ़ा था।

सीट फिर से खाली हो गई। बस में अब गिनी – चुनी सवारियां ही रह गईं थीं। अब उस अध्यापिका ने महिला को अपने पास बिठाया और पूछा,सीट कितनी बार खाली हुई है लेकिन आप लोगों को ही बैठाते रहे, खुद नहीं बैठे, क्या बात है? महिला ने कहा, मैडम, मैं एक मजदूर हूं, मेरे पास इतने पैसे नहीं हैं कि मैं कुछ दान कर सकूं।

तो मैं क्या करती हूं कि कहीं रास्ते से पत्थर उठाकर एक तरफ कर देती हूं, कभी किसी जरूरतमंद को पानी पिला देती हूं, कभी बस में किसी के लिए सीट छोड़ देती हूं, फिर जब सामने वाला मुझे दुआएं देता है तो मुझे अपनी गरीबी भूल जाती है। दिन भर की थकान दूर हो जाती है । और तो और, जब मैं दोपहर में रोटी खाने के लिए बैठती हूं ना बाहर बेंच पर, तो ये पंछी चिड़ियां पास आ के बैठ जाते हैं, रोटी डाल देती हूं छोटे-छोटे टुकड़े करके। जब वे खुशी से चिल्लाते हैं, तो उन भगवान के जीवों को देखकर मेरा पेट भर जाता है। पैसा धेला न सही, सोचती हूं दुआएं तो मिल ही जाती है ना मुफ्त में। फायदा ही है ना, और हमने लेकर भी क्या जाना है यहां से

शिक्षिका अवाक रह गई, एक अनपढ़ सी दिखने वाली महिला इतना बड़ा पाठ जो पढ़ा गई थी उसे । अगर दुनिया के आधे लोग ऐसी सोच को अपना लें तो धरती स्वर्ग बन जाएगी। लेकिन सच तो यह है कि सत्य बहुत सरल है, एक साधारण इच्छा की तरह। कोई मेकअप नहीं, कोई तामझाम नहीं। लेकिन इसकी खूबसूरती यही है कि यह बेहद खूबसूरत होता है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

सक्सेस मंत्र

प्रेम के बड़े खजाने अपने भीतर होते हैं

एक जगह एक भिखारी सड़क के किनारे बैठकर बीस-पच्चीस वर्षों तक भीख मांगता रहा। फिर एक दिन उसे मौत आ गई और वो मर गया। जीवन भर उसकी यही कामना रही कि वो भी एक दिन सम्राट बन जाएं। लेकिन जिंदगीभर वो हमेशा दूसरों के आगे हाथ फैलाकर, एक-एक पैसा मांगता रहा। मांगने की आदत जितनी बढ़ती है, आदमी उतना ही बड़ा भिखारी हो जाता है। लेकिन इस भिखारी के साथ मांगने की वजह से इतना जरूर हुआ कि पच्चीस वर्ष पहले वह छोटा भिखारी था, पच्चीस वर्ष बाद पूरे नगर में प्रसिद्ध भिखारी हो गया था। गांव के लोगों ने उसका अंतिम संस्कार करवा दिया। गांव वालों ने वह जगह साफ कराने की सोची, जहां वह बैठा रहता था। गंदे कपड़े, टीन-टप्पर, बर्तन-भांडे सब सामान फिंकवा दिए।

खोद-खादकर वहां की जमीन समतल कराने लगे। लेकिन जब मिट्टी खोदी तो सब हैरान हो गए। भीड़ जुटने लगी। वह भिखारी जिस जगह बैठा था, वहां बड़े खजाने गड़े हुए थे। वह सम्राट हो सकता था, लेकिन वह उन लोगों की तरफ हाथ पसारे रहा, जो खुद ही भिखारी थे। गांव के लोग आपस में बातचीत करते कह रहे थे, बड़ा अभागा था! तभी वहां से एक संत गुजरे। उन्होंने हंसकर कहा कि उस अभागे की फिक्र छोड़ो। दौड़ो अपने घर, अपनी जमीन खोदो। कहीं वहां कोई खजाना तो नहीं? संत बोले- खजाना वहीं होता है जहां आप होते हैं। पर अपनी जमीन देखे बिना हम दूसरों से ही मांगते रह जाते हैं। प्रेम के बड़े खजाने अपने भीतर होते हैं, लेकिन हम दूसरों से मांगते रह जाते हैं कि हमें प्रेम दो! पत्नी पति से मांग रही है, मित्र मित्र से मांग रहा है कि हमें प्रेम दो! जिनके पास खुद ही नहीं है, हम उनसे मांग रहे हैं! भिखारी भिखारियों से मांग रहे हैं! लेकिन अपनी जमीन, जिस पर हम खड़े हैं, उसे खोदने की फिक्र कोई नहीं करता।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडस्ट्रियल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

रसोई घर में इन तीन चीजों का गिरना माना जाता है अशुभ

वास्तु-शास्त्र के अनुसार, रसोई घर को धन और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। वास्तु के जानकारों के मुताबिक, रसोई में रखी हर एक वस्तु हमारे जीवन को प्रभावित कर सकती है। ऐसे में रसोई घर में कुछ चीजों का बार-बार गिरना अशुभ संकेत हो सकता है।

रसोई घर, घर का वह हिस्सा है जहां परिवार मिलकर भोजन करता है। वास्तु-शास्त्र के अनुसार, रसोई घर को धन और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। वास्तु के जानकारों के मुताबिक, रसोई में रखी हर एक वस्तु हमारे जीवन को प्रभावित कर सकती है। रसोई घर में होने वाली कुछ घटनाएं शुभ या अशुभ संकेत दे सकती हैं। इनमें से एक है रसोई में कुछ चीजों का बार-बार गिरना। आमतौर पर रसोई में चीजों गिर जाना सामान्य बात होती है, लेकिन अगर कुछ चीजें बार-बार गिर रही हैं तो यह खराब संकेत हो सकता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, रसोई में कुछ विशिष्ट चीजों का बार-बार गिरना आने वाले संकट का संकेत हो सकता है। आइए इस लेख इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं।

अक्सर हम देखते हैं कि रसोई में काम करते समय चीजें गिर जाती हैं, लेकिन कुछ चीजों का गिरना अशुभ माना जाता है। ये चीजें नकारात्मक ऊर्जा और दुर्भाग्य का संकेत हो सकती हैं। वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि रसोई में दूध, नमक या सरसों का तेल जैसे पदार्थों का बार-बार गिरना आपके जीवन में आने वाली समस्याओं का संकेत हो सकता है।

दूध का गिरना

दूध को शुद्धता और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। अगर आपकी रसोई में दूध लगातार गिर रहा है तो यह आपके घर में आने वाली किसी समस्या का संकेत हो सकता है। यह आपके स्वास्थ्य, धन या पारिवारिक जीवन से जुड़ी कोई समस्या हो सकती है।

नमक का गिरना

नमक को चंद्रमा और शुक्र ग्रह का प्रतिनिधित्व करने वाला माना जाता है। अगर आपकी रसोई में नमक बार-बार गिर रहा है तो यह आपके वैवाहिक जीवन में तनाव या धन हानि का संकेत हो सकता है।

सरसों के तेल का गिरना

सरसों के तेल को शनि ग्रह से जोड़ा जाता है। अगर आपकी रसोई में सरसों का तेल बार-बार गिर रहा है तो यह शनि दोष के कारण होने वाली परेशानियों का संकेत हो सकता है।

ऑफिस की टेबल पर कभी न रखें ये प्लांट, तरक्की में आ सकती है बाधा

कुछ लोग अपने घर के साथ-साथ ऑफिस डेस्क को भी बखूबी सजाते हैं। इससे सकारात्मक वातावरण बनता है, जिससे काम को पूरा करने की एनर्जी बनी रहती हैं। आमतौर पर लोग डेस्क पर ग्लोब, घड़ी और नोटपैड-पेन रखते हैं। हालांकि कुछ लोग प्लांट को भी अपनी ऑफिस डेस्क पर सजाते हैं। मान्यता है कि यदि आप हरियाली देखते हैं, तो मानसिक शांति का एहसास होता है। साथ ही व्यक्ति का तनाव भी कम होने लगता है। परंतु जानकारी का अभाव होने के कारण कई बार ऐसे पौधों को रख लिया जाता है, जिससे काम में हमेशा मुश्किलें बनी रहती हैं। यही नहीं सहकर्मियों से भी झगड़े की स्थिति बनी रहती हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि ऑफिस डेस्क पर कौन से पौधों को नहीं रखना चाहिए।

तुलसी का पौधा

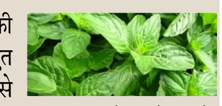

हिंदू धर्म में रोजाना तुलसी की पूजा की जाती है। यह बहुत पवित्र पौधा है, जिसे रखने से घर में सुख-समृद्धि आती है। इसलिए कुछ लोग इसे अपने ऑफिस डेस्क पर भी रखते हैं। हालांकि ऐसा करना उचित नहीं है। वास्तु के अनुसार ऑफिस डेस्क पर कभी भी तुलसी का पौधा नहीं रखना चाहिए। दरअसल, तुलसी के पौधे की रोजाना पूजा की जाती है। खासतौर पर इसके रखरखाव पर काफी ध्यान दिया जाता है। ऐसे में ऑफिस में इसे रखने पर लापरवाही हो सकती है। इससे कार्य में बाधाएं व नकारात्मकता आ सकती है।

कैक्टस का पौधा

वास्तु के अनुसार कभी भी ऑफिस डेस्क पर कैक्टस का पौधा नहीं रखना चाहिए। माना जाता है कि इसकी नुकीली पत्तियां कार्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है, जिससे तनाव की स्थिति उत्पन्न होती हैं। इसलिए इस पौधे को न रखें।

बांस का पौधा

हिंदू धर्म में बांस के पौधे को सुख-समृद्धि का प्रतीक माना जाता है, लेकिन फिर भी इसे ऑफिस डेस्क पर न रखें। वास्तु के अनुसार नुकीले किनारों वाले बांस के पौधों को रखने से सफलता में बाधा आ सकती हैं। साथ ही यह आपकी मानसिक शांति को भी प्रभावित कर सकता है।

एलोवेरा प्लांट

एलोवेरा अपने लाभ के लिए जाना जाता है। इसमें मौजूद गुण व्यक्ति की प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देते हैं। परंतु इसे ऑफिस डेस्क पर नहीं रखना चाहिए। वास्तु के अनुसार कांटेदार पौधे रखने से कार्यक्षेत्र का वातावरण प्रभावित होता है। इसलिए डेस्क पर एलोवेरा का पौधा न रखें।

जानिए कैसे प्रकट हुए वृंदावन में बांके बिहारी जी

मार्गशीर्ष मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को स्वामी हरिदासजी की सघन-उपासना के फलस्वरूप वृंदावन के निधिवन में श्री बांकेबिहारी जी का प्राकट्य हुआ। बिहारी जी के इस प्राकट्य उत्सव को 'विहार पंचमी' के रूप में बड़े ही उल्लास के साथ मनाया जाता है। इस अवसर पर मंदिर को भव्य रूप से सजाया जाता है और विशेष पूजा अर्चना की जाती है। देश-विदेश से आए श्रद्धालु इस पावन पर्व का हिस्सा बनते हैं। वृंदावन, भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी की लीलाओं से जुड़ी पावन भूमि है। बांके बिहारीजी की मूर्ति का प्राकट्य अत्यंत चमत्कारिक और दिव्य घटना है, जो भक्तों के हृदय में भक्ति और श्रद्धा का संचार करती है। मनोहर श्यामवर्ण छवि वाले श्रीविग्रह, श्रीकृष्ण और राधारानी के सयुंक्त स्वरुप का प्रतीक है। बांकेबिहारी नाम का विशेष अर्थ है 'बांके' यानी तीनों स्थानों से झुके हुए और 'बिहारी' नाम का अर्थ है 'वृंदावन में बिहार करने वाले'। श्रीकृष्ण की यह मुद्रा भक्तों के लिए उनके प्रेम और लीलाओं की प्रतीक है। वृंदावन में स्थित बांके बिहारी जी का मंदिर, श्रीकृष्ण भक्तों के लिए विशेष आस्था का केंद्र है। बांके बिहारी जी की मूर्ति के प्राकट्य का सीधा संबंध संत हरिदास जी से है, जो श्रीकृष्ण और राधारानी के अनन्य भक्त थे और वृंदावन के निधिवन में साधना करते थे। वही निधिवन जहां के बारे में आज भी मान्यता है कि यहां हर रात राधा-कृष्ण गोपियों संग रासलीला करते हैं। स्वामी हरिदास जी सखी-संप्रदाय के प्रवर्तक थे। संत हरिदास जी वृंदावन में नित्य राधा-कृष्ण की लीलाओं का गान करते थे। उनका मुख्य उद्देश्य भक्ति के माध्यम से भगवान को प्रसन्न करना था। वे अपने भक्तिभाव में इतने लीन हो जाते थे कि उन्हें सांसारिक सुख-दुख का कोई ध्यान नहीं रहता था।

जानें किन दो ग्रहों की स्थिति से किया जाता है महाकुंभ के स्थान का चयन

हिंदू संस्कृति और परंपराओं में कुंभ मेले का विशेष महत्व है। यह अद्वितीय मेला भारत के चार पवित्र स्थानों पर आयोजित किया जाता है, इसमें प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक शामिल हैं। इसे केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं हैं, बल्कि इसमें खगोलीय घटनाओं का भी गहरा प्रभाव माना जाता है। साल 2025 में महाकुंभ का आयोजन प्रयागराज में होने जा रहा है, जिसकी तैयारियां जोरों-शोरों से चल रही है। यह महाकुंभ 13 जनवरी से आरंभ हो रहा है और 26 फरवरी 2025 को इसका समापन होगा। यानी यह कुंभ मेला पूरे 45 दिनों तक चलेगा।

महाकुंभ 2025 का स्थान और समय

प्रयागराज में आयोजित होने वाला महाकुंभ, 13 जनवरी 2025 को पौष पूर्णिमा से आरंभ होगा और 26 फरवरी 2025, महाशिवरात्रि के दिन समाप्त होगा। इससे पहले प्रयागराज में 2013 में महाकुंभ और 2019 में अर्धकुंभ का आयोजन हो चुका है।

कुंभ मेला केवल एक धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, मोक्ष प्राप्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा को जागृत करने का अवसर भी देता है। धार्मित मान्यता के अनुसार कुंभ में स्नान करने से पापों का नाश और पुण्य की प्राप्ति होती है। यह धार्मिक आयोजन सामाजिक और सांस्कृतिक समागम का प्रतीक माना जाता है।

महाकुंभ के स्थान का निर्धारण कैसे होता है?

महाकुंभ का आयोजन केवल चार स्थानों पर ही होता है, जिसमें प्रयागराज, हरिद्वार, नासिक, और उज्जैन शामिल हैं। इसका चयन ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति के आधार पर किया जाता है। ज्योतिष के अनुसार, गुरु (बृहस्पति) और सूर्य की विशिष्ट राशियों में उपस्थिति के अनुसार तय होता है कि महाकुंभ किस स्थान पर आयोजित किया जाएगा।

प्रयागराज महाकुंभ

जब गुरु वृषभ राशि में और सूर्य मकर राशि में होते हैं, तो महाकुंभ प्रयागराज में आयोजित होता है। 2025 में यही स्थिति होने के कारण महाकुंभ प्रयागराज में आयोजित किया जा रहा है।

नासिक महाकुंभ

गुरु और सूर्य जब सिंह राशि में होते हैं, तो यह आयोजन नासिक में होता है। अगला नासिक महाकुंभ 2027 में होगा।

हरिद्वार महाकुंभ

गुरु कुंभ राशि में और सूर्य मेष राशि में होते हैं, तो महाकुंभ हरिद्वार में लगता है। 2033 में हरिद्वार में यह मेला आयोजित होगा।

उज्जैन महाकुंभ

सूर्य मेष राशि में और गुरु सिंह राशि में होते हैं, तो महाकुंभ उज्जैन में लगता है। उज्जैन का अगला महाकुंभ 2028 में होगा।

12 वर्षों का अंतराल क्यों?

महाकुंभ हर स्थान पर 12 वर्षों के अंतराल पर होता है। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार, गुरु बृहस्पति को सभी राशियों का चक्र पूरा करने में 12 वर्ष लगते हैं। इसके अलावा, पौराणिक कथाओं के अनुसार, समुद्र मंथन से प्राप्त अमृत कलश को लेकर देवताओं और दानवों के बीच 12 दिवसीय युद्ध हुआ था, जो पृथ्वी पर 12 वर्षों के बराबर माना जाता है। इसी कारण प्रत्येक स्थान पर महाकुंभ 12 साल के बाद आयोजित किया जाता है।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष — भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। साझेदारी में नवीन प्रस्ताव प्राप्त हो सकेंगे। शत्रु सक्रिय रहेंगे। गर्व-अहंकार को दूर करें। राजनीतिक व्यक्तियों से लाभकारी योग बनेंगे।

वृष — बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। जोखिम न लें। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखें। पत्नी के बतलाए रास्ते पर चलने से लाभ की संभावना बनती है। यात्रा से लाभ।

मिथुन — फालतू खर्च होगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। विवाद को बढ़ावा न दें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यावसायिक योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं हो पाएगा। परिवार की चिंता रहेगी। आय से व्यय अधिक होंगे।

कर्क — धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बचें। कार्य-व्यवसाय में लाभ होने की संभावना है। दांपत्य जीवन में अनुकूलता रहेगी।

सिंह — प्रतिष्ठा बढ़ेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। यात्रा का शुभ योग होने के साथ ही कठिन कार्य में भी सफलता मिल सकेगी। रिश्तेदारों से संपत्ति संबंधी विवाद हो सकता है। व्यापार-नौकरी में लाभ होगा।

कन्या — पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। प्रसन्नता रहेगी। मन में उत्साह रहेगा, जिससे कार्य की गति बढ़ेगी। आपके कार्यों को समाज में प्रशंसा मिलेगी।

तुला — प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य संबंधी समस्या हल हो सकेगी। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। अपनी वस्तुएँ संभालकर रखें।

वृश्चिक — जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। मितव्ययिता को ध्यान में रखें। कुटुंबियों से संबंध सुधरेंगे। शत्रुओं से सावधान रहें। व्यापार लाभप्रद रहेगा।

धनु — स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। अच्छे लोगों से भेंट होगी जो आपके हितचिंतक रहेंगे।

मकर — रोजगार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। अर्थ संबंधी कार्यों में सफलता से हर्ष होगा। सुखद भविष्य का स्वप्न साकार होगा।

कुंभ — नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। नेत्र पीड़ा हो सकती है। अधिकारी वर्ग विशेष सहयोग नहीं करेंगे। ऋण लेना पड़ सकता है। यात्रा आज नहीं करें।

मीन — किसी के भरोसे न रहकर अपना कार्य स्वयं करें। महत्वपूर्ण कार्यों में हस्तक्षेप से नुकसान की आशंका है। परिवार में तनाव रहेगा। व्यापार-व्यवसाय मध्यम रहेगा।

जन्मकुंडली में धनेश और लाभेश की दशाफल

जन्मकुंडली के दूसरे भाव को धनेश कहते है। इस भाव से जातक के रूपये-पैसे का मुख्य रूप से विचार किया जाता है।

धनेश और धन भाव की शुभ-अशुभ स्थिति जातक के आर्थिक स्तर का विवेचन करती है।

ग्यारहवा भाव आय और लाभ का होता है किसी भी तरह के लाभ का विचार ग्यारहवे भाव से इस भाव के स्वामी से किया जाता है।यह भाव जातक की आय के स्तर को दर्शाता है कि जातक की आय का स्तर कितना होगा।

धनेश-लाभेश की स्थिति और दशा से जातक के रुपए- पैसे की स्थिति का विचार किया जाता है।।

धनेश का धन भाव में बेठना जातक को रुपए-पैसे की तंगी ज्यादा नही उठानी पड़ती, किसी न किसी तरह से धन की प्राप्ति हो जाती है।।

धनेश का केंद्र त्रिकोण भाव में बैठकर शुभ ग्रहो से द्रष्ट होना अच्छी आर्थिक स्थिति देने में सक्षम होता है।लाभेश की स्थिति भी अनुकूल होने से ज्यादा शुभ परिणाम मिलते है।।

धनेश-लाभेश की महादशा-अंतर्दशा का एक साथ आना साथ ही धनेश-लाभेश का केंद्र त्रिकोण में होना, केन्द्रेश, त्रिकोणेश से सम्बन्ध होना जातक को अच्छा धन लाभ ऐसे समय में होने के योग बनते है।। धनेश का धन भाव में, लाभेश का लाभ भाव में होना अच्छी आर्थिक स्थिति के लिए परम् शुभ होता है।

इसके लिए जरुरी है जातक के रोजगार की स्थिति भी अच्छी होनी चाहिए।।

प्रियंका जैन
9769994439

बलवान और अनुकूल धनेश की दशा जब भी जातक के जीवन में आएगी, लाभ भाव, भावेश बलवान होगा निश्चित ही जातक ऐसे जातक को किसी न किसी माध्यम से अच्छा धन लाभ होने के योग बनते है।। धनेश-लाभेश का सम्बन्ध भाग्येश से होना अनुकूल समय पर इन्ही भावेश से सम्र्बंधित ग्रह दशाओ का आना जातक को धन-लाभ भाग्य के बल से ज्यादा से ज्यादा है।। बलवान धनेश की दशा जातक के लिए शुभकारी होती है।।

द्वितीय और एकादश भाव पर ज्यादा से ज्यादा योगकारक और शुभ ग्रह गुरु, शुक्र, बुध जैसे ग्रहो का प्रभाव धन की स्थिति को अच्छा बनाता है।

खबर संक्षेप

कोच को मिली 7 साल की सजा

बरेली। उत्तर प्रदेश के एक कोच को एथलीट धाविका के साथ दरिंदगी की कोशिश करने के मामले में बरेली कोर्ट ने 7 साल कैद की सजा सुनाई है। इसके साथ ही 10 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है। दरअसल कोच साहिबे आलम ने मानसून मैराथन के नाम पर षड्यंत्र रचा था और 14 साल की धाविका को नैनीताल ले गया था। उसने नैनीताल में एक होटल के कमरे में एथलीट धाविका का शोषण किया था।

साहिबे आलम ने एथलीट धाविका को जबरन गंदी फिल्म दिखाकर उसके साथ दरिंदगी की कोशिश की थी। इसके बाद पीड़िता ने नैनीताल से लौटकर अपने परिवार वालों को आपबीती सुनाई थी लेकिन कोच से डर कर दहशत में काफी समय तक पीड़िता ने शिकायत नहीं की। हालांकि साल 2018 में दहशत से उबरने के बाद पीड़िता ने मुकदमा दर्ज कराया था। इतना ही कोच समझौते के लिए तरह-तरह से दबाव बना रहा था।

कोच साहिबे आलम बरेली एथलेटिक संघ का सचिव भी रह चुका है। एथलेटिक कोच रहते हुए वह लगातार विवादों में रहा। लंबी सुनवाई के बाद बरेली कोर्ट ने पीड़िता को इंसाफ दिया और आरोपी को 7 साल की सजा सुनाई। फैसला आने के बाद कोच को जेल भेज दिया गया है। साल 2017 में कोतवाली क्षेत्र के बिहारीपुर मैमरान के रहने वाले कोच साहिबे आलम ने धाविका को एथलीट बनाने का लालच दिया। नैनीताल ले जाकर एक कमरा बुक किया। उसे कमरे में ले जाकर जबरन गंदी फिल्म दिखाई और उसके साथ दुष्कर्म करने की कोशिश की।

यूपी में शीतलहर की चेतावनी

लखनऊ। उत्तर भारत में ठंड बढ़ने वाली है। यूपी, दिल्ली समेत कई राज्यों में मौसम विभाग ने बारिश का अलर्ट जारी किया है। रविवार शाम को कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी भी हुई, जिससे मौसम बदल गया। आने वाले दिनों में यूपी के पश्चिमी इलाकों में कड़ाके की सर्दी पड़ने जा रही है। मौसम विभाग ने बताया है कि 11-14 दिसंबर यानी कि चार दिनों तक शीतलहर चलने वाली है। इसकी वजह से ठंड बढ़ जाएगी। वहीं, सुबह और रात के समय कोहरे का भी अलर्ट जारी किया गया है। पश्चिमी राजस्थान में 9-14 दिसंबर, पूर्वी राजस्थान में 10-14 दिसंबर, हरियाणा, चंडीगढ़ और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 11-14 दिसंबर तक शीतलहर चलेगी। इसके अलावा, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ में 10 दिसंबर की सुबह तक, सब हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम आदि में 11 तक, बिहार में 9-11 दिसंबर, उत्तर प्रदेश में 10-13 दिसंबर तक सुबह और रात के समय घना कोहरा छाया रहेगा।

लखनऊ के तीन स्टेशनों पर बम की खबर से हड़कंप

जांच में निकली अफवाह

एजेंसी । लखनऊ

लखनऊ के तीन स्टेशनों पर बम की झूठी अफवाह से रविवार को हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार रविवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति ने दावा किया कि लखनऊ के तीन प्रमुख यात्री स्टेशनों पर बम हैं। जिसके बाद पुलिस हरकत में आ गई। हालांकि, जांच में यह एक अफवाह निकली।

मिली जानकारी के अनुसार अधिकारियों ने बताया कि डायल 112 आपातकालीन सेवा के माध्यम से सुबह करीब 8 बजे प्राप्त कॉल में हुसैनगंज मेट्रो स्टेशन, चारबाग रेलवे स्टेशन और आलमबाग बस स्टेशन पर बम होने की जानकारी दी गई थी।

अफवाह फैलाने वाले के तलाश में जुटी पुलिस

सूचना के बाद पुलिस और सुरक्षा बलों को सतर्क कर दिया गया। वहीं, बम निरोधक विशेषज्ञों और डॉग स्क्वॉड की टीमों को घटनास्थल पर भेजा गया। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त मनीषा सिंह ने कहा कि पुलिस टीमों ने बम निरोधक दस्ते के साथ मिलकर स्टेशनों की गहन तलाशी ली। लेकिन किसी भी जगह पर कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक नहीं मिला।अधिकारियों ने कहा कि बम की धमकी एक अफवाह थी। घटनास्थल से कोई विस्फोटक या खतरनाक सामग्री नहीं मिली। पुलिस उस फोन नंबर का पता लगा रही है जिससे फर्जी कॉल की गई थी। साथ ही फर्जी कॉल करने वाले को गिरफ्तार करने के भी प्रयास किए जा रहे हैं।

वेज ऑर्डर किया, वेटर ने परोस दिया चिकन

मेरठ के रेस्टोरेंट में बवाल

मेरठ। मेरठ के मशहूर रेस्टोरेंट रोमियो लेन में एक हिंदू फैमिली ने बड़ा आरोप लगाते हुए वीडियो बनाया है, जो अब सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। इस वीडियो में एक फैमिली ने आरोप लगाया है कि इस रोमियो लेन रेस्टोरेंट में उन्होंने वेज खाना ऑर्डर किया था, लेकिन मुस्लिम वेटर ने उनको नॉनवेज खाना परोस दिया। इस आरोप के साथ उन्होंने एक वीडियो बनाई, जो वायरल हो रही है।

वायरल वीडियो 6 दिसंबर की बताई जा रही है। गंगानगर थाना क्षेत्र के गंगाधाम निवासी एस्ट्रोलॉजर विभोर इंदू सूद अपनी फैमिली के साथ रोमियो लेन में डिनर करने गए थे। विभोर और उनकी फैमिली ने शाकाहारी व्यंजन का ऑर्डर दिया था, लेकिन उनको ऑर्डर में चिकन परोस दिया गया। विभोर की फैमिली ने आरोप लगाया कि मुस्लिम वेटर सुल्तान ने उन्हें जानबूझकर नॉनवेज परोस था।

परोसा नॉनवेज खाना

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि जो मास्टर शेफ है, उसका नाम जैदी है और वो भी मुस्लिम है। इस मामले की पूरी शिकायत विभोर इंदु सूद और उनकी फैमिली ने पुलिस से भी करी। हालांकि, इस मामले में सूद ने बताया कि उन्हें नॉनवेज परोसा गया था, लेकिन उन्होंने नॉनवेज को चखा भी नहीं। नॉनवेज को चखने से पहले ही विभोर ने खाने पर अपना एतराज जता दिया था। एस्ट्रोलॉजर विभोर ने बताया कि उन्होंने इस मामले की पुलिस को तहरीर दी है, लेकिन अब कोई शिकायत उनको आगे नहीं करनी है। वहीं, दूसरी तरफ रोमियो लेन फ्रेंचाइजी के ऑनर सनी अग्रवाल ने बताया कि उन्होंने किसी को जाति या धर्म देखकर नौकरी नहीं दी है, काबिलियत के हिसाब से नौकरी दी है।

मामले की जांच में जुटी पुलिस

मामले की जानकारी होते ही हिंदूवादी नेता भी रोमियो लेन रेस्टोरेंट पहुंचे। उन्होंने यहां हिंदुओं से अपील करी कि किसी भी रेस्टोरेंट या होटल में आते ही रसोइया की जानकारी ले। उन्होंने कहा कि वेज और नॉन वेज की रसोई अलग होनी चाहिए। उन्होंने ये भी कहा कि यदि शिकायतकर्ता ने शिकायत वापस ले ली है, तो कारण पता करके शिकायतकर्ता पर मुकदमा दर्ज होना चाहिए। वहीं, पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर जुल्म को लेकर नोएडा-गाजियाबाद में प्रोटेस्ट

एजेंसी । लखनऊ

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे हिंसा को लेकर नोएडा-गाजियाबाद में हिंदू संगठन विरोध में उतर आए हैं। नोएडा में यह विरोध प्रदर्शन सेक्टर-33 इस्कॉन टेंपल के पीछे ग्राउंड में चल रहा है। विरोध प्रदर्शन में शामिल होने सांसद महेश शर्मा भी पहुंच गए हैं। विरोध प्रदर्शन में हिन्दू संगठनों के सीनियर नेता भी मौजूद हैं। साथ ही साधु संत भी विरोध प्रदर्शन में पहुंचे हैं। विरोध प्रदर्शन के दौरान किसी तरह की बवाल न होने पाए, इसको लेकर सुरक्षा में भारी पुलिस बल को भी तैनात किया है। प्रदर्शन में शामिल होने वाले लोग भारत सरकार से बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हिंसा को लेकर कड़े एक्शन की मांग कर रहे हैं।

गाजियाबाद में भी बड़ी संख्या में विरोध करने पहुंचे लोग

बांग्लादेश में हिंदुओं पर लगातार हमले के विरोध का असर दिल्ली से सटे गाजियाबाद में भी देखने को मिला। बांग्लादेश में चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई और वहां पर रह रहे हिंदुओं पर लगातार उत्पीड़न प्रताड़ना और हिंसा के विरोध में गाजियाबाद में प्रचंड विरोध प्रदर्शन किया गया। साथ ही विरोध प्रदर्शन में जुटे लोगों ने हिंसा के खिलाफ राष्ट्रपति को ज्ञापन देने की भी बात कही। प्रदर्शन में शामिल आशीष ने कहा कि पूरे विश्व समुदाय को जो प्रयास किया जाना चाहिए था, वह अभी तक उस स्तर पर नहीं हो रहा है। बांग्लादेश में हिंदुओं के इस विनाश पर पूरा विश्व समुदाय व विश्व की तथा-कथित शांति संगठन भी मौन व्रत लिए हुए हैं। विश्व में शांति स्थापित करने वाले व कथित मानव अधिकार संगठन एवं वैश्विक संगठन भी बांग्लादेश में हिंदुओं के विनाश और हिंदू महिलाओं के जबरन धर्मांतरण व बलात्कार पर आंखें मूंदे हुए हैं। प्रदर्शन में बोलते हुए सुप्रीम कोर्ट के वकील और जाने माने PIL दायर करने वाले अश्विनी उपाध्याय ने कहा कि मजहब अगर बैर रखना नहीं सिखाता तो गाजियाबाद, गाजीपुर जैसे कई शहरों के नाम क्यों बदले गए? शिवनी उपाध्याय ने कहा कि भारत के पाखंडी समाजवादी मुंह बंद करके बैठे हैं। वहां यादव, पटेल, बंद, केवट, कुर्मी सभी रहते हैं। 15वीं शताब्दी में वहां कोई मुस्लिम नहीं था।

ट्रेन पर कूदा था शख्स, हाईटेंशन तार से टच हुआ और जल गया

झांसी। उत्तर प्रदेश के वीरांगना लक्ष्मीबाई रेलवे स्टेशन की हाईटेंशन लाइन (ओएचई) केबल की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। हाईटेंशन तार की चपेट में आते ही आनन-फानन में रेलवे के अधिकारियों ने युवक को सीढी की मदद से नीचे उतारा, युवक को इलाज के लिए अस्पताल ले जाने से पहले ही उसकी मौत हो गई। युवक की पहचान नहीं होने की वजह से जीआरपी और आरपीएफ ने युवक के शव को मोर्चरी में रखवा दिया गया है। झांसी के वीरांगना लक्ष्मीबाई रेलवे स्टेशन पर हजरत निजामुद्दीन से वास्कोडिगामा जा रही गोवा एक्सप्रेस शुक्रवार रात 10 बजे प्लेटफार्म नंबर 1 पर पहुंची। इसी दौरान एक युवक पुल के ऊपर से गोवा एक्सप्रेस पर कूद गया। युवक के ट्रेन के ऊपर कूदते ही स्टेशन पर मौजूद सभी यात्री काफी डर गए। युवक को पुल के ऊपर देखते ही यात्री और रेलवे के कर्मचारी उसे नीचे उतरने के लिए चिल्लाने लगे। इसी दौरान देखते ही देखते युवक हाईटेंशन लाइन (ओएचई) केबल की चपेट में आ गया।

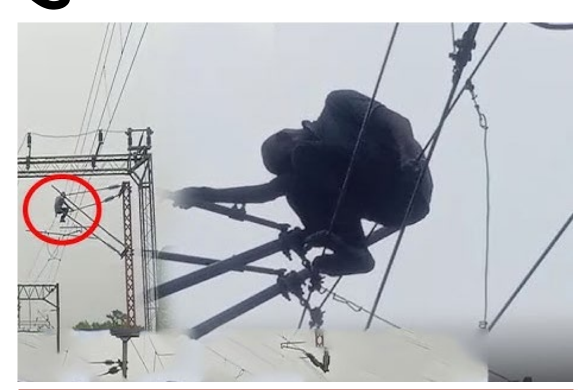

हाईटेंशन तार की चपेट में आने से हुई मौत

हाईटेंशन तार की चपेट में आते ही युवक बुरी तरह से जलने लगा। घटना की जानकारी होते ही लोको पायलट ने तुरंत ट्रेन का इंजन बंद किया और वरिष्ठ अधिकारी की घटना की सूचना दी। आनन-फानन में मौके पर जीआरपी, आरपीएफ और स्टेशन के अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। युवक की सीढ़ी की मदद से नीचे उतारा गया, जब तक युवक को अस्पताल लेकर जाते तब तक उसकी मौत हो गई थी।

रेलवे के अधिकारियों की मौजूगी में जीआरपी और आरपीएफ ने युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। युवक के पहचान अभी तक नहीं हो गई है। इसलिए उसके शव को मोर्चरी में रखा गया है। रेलवे के एक अधिकारी का कहना है कि शव के शिनाख्त करने की कोशिश की जा रही है। वहीं, पूरे मामले की जांच भी शुरू कर दी गई है।

आयात पर निर्भरता कम करने के लिए मिले वित्तीय पैकेज: इलेक्ट्रॉनिक्स कलपुर्जा विनिर्माता

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स कलपुर्जा विनिर्माताओं के संगठन एल्सीना ने कच्चे माल के स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए 72,500 करोड़ रुपये (8.57 अरब डॉलर) के सहायता पैकेज की मांग की है। भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र के सबसे पुराने उद्योग संगठन इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एल्सीना) का अनुमान है कि इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में इनपुट की मांग-आपूर्ति का घाटा 2030 तक बढ़कर 248 अरब डॉलर (लगभग 21 लाख करोड़ रुपये) हो जाएगा, जिससे अनुमानित 500 अरब डॉलर के इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन की पूर्ति होगी और इसकी पूर्ति बड़े पैमाने पर आयात से होगी। उद्योग निकाय को उम्मीद है कि गैर-सेमीकंडक्टर घटकों के लिए सरकार का समर्थन देश में घाटे को 146 अरब डॉलर (12.36 लाख करोड़ रुपये) से घटाकर 102 अरब डॉलर (8.63 लाख करोड़ रुपये) करने में मदद कर सकता है। एल्सीना के महासचिव राजू गोयल ने बताया कि तैयार उत्पादों के विपरीत, जहां कारखाने का उत्पादन निवेश से 16 गुना तक हो सकता है, इलेक्ट्रॉनिक घटक कारखाने में निवेशित पूंजी का अधिकतम तीन गुना उत्पादन हो सकता है। गोयल ने कहा, "कम रिटर्न, उच्च परिचालन लागत और लंबी निर्माण अवधि के कारण लोग इलेक्ट्रॉनिक घटकों में अपने निवेश का विस्तार करने में संकोच करते हैं। इसलिए हमने सरकार से 8.57 अरब डॉलर की मांग की है, जिसमें उद्योग के विस्तार को प्रोत्साहित करने के लिए पूंजीगत व्यय के लिए 2.14 अरब डॉलर और उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के रूप में 6.43 अरब डॉलर शामिल हैं।' सरकार गैर-अर्धचालक इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जों के उत्पादन को समर्थन देने के लिए एक व्यापक पैकेज पर सक्रिय रूप से विचार कर रही है। एल्सीना ने अपने अनुमान में छोटे इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जों, प्रिंटेड सर्किट बोर्ड, कुछ सेमीकंडक्टर आदि को शामिल किया है।

छात्रों की संख्या गिरने से कोटा के कोचिंग और हॉस्टल उद्योग पर असर

कोटा। छात्रों की आत्महत्याओं, कोचिंग सेंटरों को विनियमित करने के नए दिशा-निर्देशों और अन्य शहरों में कोचिंग ब्रांड के विस्तार से कोटा में कोचिंग सेंटर और छात्रावासों का कारोबार धीमा पड़ गया है। संबंधित उद्योग से जुड़े लोगों ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि कोटा में छात्रों की संख्या सामान्य दो से 2.5 लाख से घटकर इस वर्ष 85,000 से एक लाख रह गई है, जिससे वार्षिक राजस्व 6,500 से 7,000 करोड़ रुपये से घटकर 3,500 करोड़ रुपये रह गया है।

इस झटके के बावजूद, हितधारकों को कोटा कोचिंग मॉडल और इसके माहौल की विश्वसनीयता के बारे में आशावादी बने हुए हैं। यूनाइटेड काउंसिल ऑफ राजस्थान इंडस्ट्रीज के क्षेत्रीय चेयरपर्सन गोविंदराम मित्तल ने कहा कि कोटा की शैक्षणिक प्रणाली और माहौल बेजोड़ है और अगले सत्र में छात्रों को आकर्षित करेगा, जो गिरावट की भरपाई करेगा। उन्होंने कहा कि उद्योगपति वैकल्पिक अवसरों की तलाश कर रहे हैं, और वे शहर में बेंगलुरु की तर्ज पर सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) केंद्र स्थापित करने की योजना बना रहे हैं। इसी साल कर्नाटक सरकार ने एक विधेयक को मंजूरी दी थी, जिसमें निजी क्षेत्र में 50 प्रतिशत प्रबंधन पद और 75 प्रतिशत गैर-प्रबंधन पद स्थानीय लोगों के लिए आरक्षित करने की बात कही गई थी, जिसकी पूरे उद्योग जगत ने आलोचना की थी।

मित्तल ने कहा कि यहां के उद्योगपतियों ने कोटा में अपना आधार स्थापित करने के लिए बेंगलुरु स्थित कंपनियों से संपर्क किया है और इन कंपनियों की मंजूरी के बाद लोकसभा स्पीकर एवं कोटा-बूंदी के सांसद ओम बिरला के निर्देश पर आईटी सेक्टर के लिए भूमि चिन्हित कर ली गई है। कोटा हॉस्टल एसोसिएशन के अध्यक्ष नवीन मित्तल ने कहा कि यहां कोचिंग सेंटर और हॉस्टल उद्योग निश्चित रूप से संकट में है। कुछ मालिक जिन्होंने लोन लेकर कई हॉस्टल बनाए हैं, उन्हें किश्तें चुकाने में मुश्किल हो रही है। उन्होंने कहा कि इस संकट ने हॉस्टल मालिकों को बुरी तरह प्रभावित किया है। शहर के 4,500 हॉस्टल में से अधिकांश 40 से 50 प्रतिशत तक रिक्त हो गए हैं। नवीन ने जोर देकर कहा कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार, आत्महत्या दर के मामले में कोटा 50 शहरों से पीछे है, फिर भी शहर को नकारात्मक रूप से चित्रित किया गया है। कोरल पार्क में एक छात्रावास प्रबंधक माणिक साहनी ने कहा कि कमरों का किराया 15,000 रुपये से घटकर 9,000 रुपये हो गया है और कई छात्रावास खाली पड़े हैं।

भारतीय लेखापरीक्षा को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाना होगा: एनएफआरए प्रमुख

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) के प्रमुख अजय भूषण प्रसाद पांडेय ने कहा कि भारत की लेखापरीक्षा को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने से निवेशकों का विश्वास बढ़ाने, अधिक धन आकर्षित करने तथा वित्तीय आंकड़ों की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि जब देश का लक्ष्य 'विकसित भारत' बनना है तो 'निम्न मानक' नहीं अपनाए जा सकते। एनएफआरए का गठन अक्टूबर, 2018 में कंपनी कानून के तहत किया गया था। नियामक ने 80 से अधिक आदेश पारित किए हैं। पांडेय ने कहा कि मौजूदा लेखापरीक्षा मानकों में कुछ खामियां हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, कई मानकों को उन खामियों को दूर करने के लिए अद्यतन किया गया था जिनके कारण विभिन्न घोटाले हुए थे। एनएफआरए के चेयरपर्सन ने कहा, 'भारत में, हमें अभी भी विभिन्न क्षेत्रों में मानकों को बदलना है। पिछले 20 वर्षों में, इनमें से कई मानक दुनिया के अधिकांश हिस्सों में मौजूद हैं। हम विकसित भारत बनना चाहते हैं, और हमारे मानक भी वैश्विक मानकों के अनुरूप होने चाहिए। हम घटिया मानक नहीं रख सकते।'उनके अनुसार, एनएफआरए बोर्ड ने आरबीआई (भारतीय रिजर्व बैंक), सेबी (भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड) और सीएजी (नियंत्रक और महालेखा परीक्षक) के साथ विस्तृत चर्चा के बाद कुछ मानकों में बदलाव को मंजूरी दी। चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की शीर्ष संस्था आईसीएआई ने कुछ मानकों में बदलाव को लेकर चिंता जताई है। पांडेय ने कहा, 'हमने मानकों की समीक्षा की और पाया कि लगभग 40 ऑडिटिंग मानक हैं। हमने पाया कि एसए 600 और एसए 299 जैसे दो या तीन मानक हैं जो अंतरराष्ट्रीय मानकों से पूरी तरह अलग हैं।

ऐसे अन्य मानक भी थे जिनमें बहुत अधिक भिन्नताएं थीं।'उन्होंने कहा, 'कई महीनों तक, हमने आरबीआई, सेबी और सीएजी के साथ विस्तृत चर्चा की क्योंकि तीनों हमारे बोर्ड में प्रतिनिधित्व करते हैं।

इन कंपनियों ने एक हफ्ते में छाप डाले 2 लाख करोड़, HDFC बैंक का चला सिक्का

नई दिल्ली। देश की शीर्ष 10 सबसे वैल्यूएशन कंपनियों में 6 का कुछ मार्केट कैप पिछले सप्ताह 2,03,116.81 करोड़ रुपये बढ़ गया. इसमें टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और एचडीएफसी बैंक सबसे ज्यादा लाभ में रहे. पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 1,906.33 अंक या 2.38 फीसदी उछला और एनएसई निफ्टी 546.7 अंक या 2.26 फीसदी चढ़ा.

इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस और भारतीय स्टेट बैंक में बढ़त दर्ज हुई. दूसरी ओर भारती एयरटेल, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर को गिरावट का सामना करना पड़ा.

इस सप्ताह में टीसीएस का मार्केट कैप 62,574.82 करोड़ रुपये बढ़कर 16,08,782.61 करोड़ रुपये हो गया. एचडीएफसी बैंक ने 45,338.17 करोड़ रुपये जोड़े, जिससे उसका मार्केट कैप बढ़कर 14,19,270.28 करोड़ रुपये हो गया।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है
मुंबई, सोमवार, 9 दिसंबर 2024

शमी की वापसी पर संदेह

रोहित ने कहा कि गेंदबाज के घुटने में सूजन है

रोहित ने दी सावधानी बरतने की सलाह

रोहित ने कहा कि डॉ. नितिन पटेल की अध्यक्षता वाली एनसीए मेडिकल टीम द्वारा ही अंतिम फैसला लिया जाएगा। उन्होंने कहा, 'कुछ पेशेवर उसकी निगरानी कर रहे हैं। और हम उन लोगों के अनुभव के आधार पर निर्णय लेंगे। क्योंकि वे ही हैं जो उसे हर मैच में देख रहे हैं।' रोहित ने कहा, 'इसलिए हमें बस सावधान रहना होगा। लेकिन जैसा कि मैंने कहा कि उसके लिए किसी भी समय आकर खेलने का दरवाजा खुला है।'

एजेंसी | एडिलेड

मोहम्मद शमी की टेस्ट मैदान में बहुप्रतीक्षित वापसी में और देरी हो सकती है क्योंकि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने बताया कि मुश्ताक अली ट्रॉफी के सात मैच खेलने के बाद सीनियर तेज गेंदबाज के घुटने में एक बार फिर सूजन आ गई है। शमी की 'प्लेइंग किट' और ऑस्ट्रेलियाई वीजा तैयार माना जा रहा है और उन्हें जल्द से जल्द उड़ान भरनी थी। लेकिन रोहित की मैच के बाद की टिप्पणियों के बाद उनके ऑस्ट्रेलिया जाने पर संदेह के बादल छा गए हैं।

यह पूछे जाने पर कि क्या शमी की वापसी की संभावना है तो भारतीय कप्तान ने अपने जवाब में सतर्कता बरती। भारतीय कप्तान ने मैच के बाद कहा, 'दरवाजा पूरी तरह खुला है। लेकिन हम सिर्फ उन पर नजर रख रहे हैं क्योंकि सैयद मुश्ताक अली टी20 खेलते समय उनके घुटने में फिर से सूजन आ गई है जो निश्चित रूप से टेस्ट मैच खेलने के लिए उनकी तैयारी में बाधा बनेगी। हम बहुत सावधान रहना चाहते हैं।' शमी ने रणजी ट्रॉफी के एक मैच में 42 ओवर गेंदबाजी की थी और 13 दिनों में सैयद मुश्ताक ट्राफी के सात टी20 मैच खेले हैं। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के एक सूत्र के अनुसार शमी ने मेडिकल टीम को बताया है कि भले ही उन्हें चार ओवर गेंदबाजी करने में कोई परेशानी नहीं है लेकिन हर मैच के बाद उनके घुटने में सूजन बढ़ रही है। वहीं शमी से बात करने वालों को लगता है कि वह अभी लंबे प्रारूप में खेलने के लिए अनिच्छुक हैं। कप्तान रोहित ने कहा कि वे शत प्रतिशत फिट शमी को ही लेना चाहते हैं। रोहित ने कहा, 'हम उसे ऐसी स्थिति में यहां नहीं लाना चाहते कि वह खेले और फिर उसे चोट लग जाए या कुछ और हो जाए। हम उसके बारे में शत प्रतिशत सुनिश्चित होना चाहते हैं। क्योंकि बहुत समय हो गया है जब से उसने (अंतरराष्ट्रीय) क्रिकेट नहीं खेला है।' रोहित ने कहा कि अगर शमी शत प्रतिशत ठीक महसूस नहीं करता है तो टीम उस पर दबाव नहीं डालना चाहेगी। उन्होंने कहा, 'हम उस पर यहां आकर टीम के लिए काम करने का दबाव नहीं डालना चाहते।'

ऑस्ट्रेलिया से लेकर दुबई तक एक ही दिन में मिली 3 हार

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट के लिए 8 दिसंबर का दिन काफी खराब रहा। भारतीय क्रिकेट फैंस को सुबह से लेकर शाम तक सिर्फ निराशा हाथ लगी। टीम इंडिया ने एक ही दिन में तीन अलग-अलग जगह 3 मुकाबले गंवा दिए। भारतीय टीम के लिए हार की शुरुआत एडिलेड से हुई, इसके बाद ब्रिसबेन और फिर दुबई में हार का सामना करना पड़ा। एक मुकाबले में तो खिताब भी दांव पर लगा हुआ था, लेकिन भारतीय टीम इस मुकाबले को भी नहीं जीत सकी, जिससे हर एक भारतीय क्रिकेट फैन का दिल टूट गया।

8 दिसंबर की सुबह भारत की सीनियर पुरुष क्रिकेट टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड टेस्ट में हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद भारतीय महिला सीनियर टीम को ऑस्ट्रेलिया ने ब्रिसबेन में वनडे मैच में हराया। इसके बाद अंडर-19 एशिया कप में भारत की युवा टीम को बांग्लादेश के हाथों हार झेलनी पड़ी।

तीनों मैचों में मिली एकतरफा हार

टीम इंडिया को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने एडिलेड में 10 विकेट से हराया। ये मैच तीसरे दिन के पहले सेशन तक ही चल सका, यानी टीम इंडिया पूरे मैच में फ्लॉप रही। टीम इंडिया इस मैच की पहली पारी में 180 रन ही बना सकी, जिसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 337 रन बनाए। दूसरी पारी में भी कुछ ऐसा ही हाल देखने को मिला। भारतीय टीम 175 रनों पर ही ढेर हो गई। जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने 19 रन के टारगेट को बिना विकेट गंवाए ही हासिल कर लिया। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया के ब्रिसबेन में भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीमों के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मैच खेला गया। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए एलिस पैरी और जॉर्जिया वॉल के शानदार शतकों की मदद से 371 रन बनाए। इसके जवाब में भारतीय टीम 44.5 ओवर में ही 249 रनों पर ढेर हो गई, जिसके चलते उसे 122 रन के बड़े अंतर से हार का सामना करना पड़ा।

दोनों सीनियर टीम के बाद अंडर-19 टीम भी फैंस की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। भारतीय टीम को बांग्लादेश के खिलाफ खिताबी मैच में 59 रनों से हार का सामना करना पड़ा। बांग्लादेश की टीम इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 198 रन ही बना सकी थी। लेकिन भारतीय टीम 199 रन के टारगेट को भी हासिल नहीं कर सकी। वह 35.2 ही खेल सकी और 139 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

BCCI ने देवजीत साइकिया को बनाया कार्यवाहक सचिव

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) से जय शाह के जाने के बाद खाली पड़े सचिव के पद को फिलहाल भर लिया गया है। पिछले 5 साल से बीसीसीआई के सचिव रहे जय शाह ने हाल ही में इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) के चेयरमैन का पद संभाला था। जय शाह के BCCI को छोड़कर ICC में जाने के चलते सचिव का पद खाली हो गया था, जिस पर अब नियुक्ति हो गई है। बोर्ड में संयुक्त सचिव के पद पर तैनात देवजीत साइकिया को ही फिलहाल कार्यवाहक सचिव बनाया गया है। उन्होंने हाल ही में आईसीसी की मीटिंग में भी हिस्सा लिया था, जिसमें जय शाह ने चेयरमैन का पद संभाला था।

जय शाह ने जैसे ही अंतर्राष्ट्रीय क्रिकट परिषद के चेयरमैन का पद संभाला, वैसे ही BCCI में सचिव का पद उन्हें छोड़ना पड़ा था। इस स्थिति में BCCI के अध्यक्ष रॉजर बिन्नी ने एक फैसला लेकर चौंका दिया। उन्होंने अपनी संवैधानिक शक्तियों का इस्तेमाल करके इस पद पर देवजीत साइकिया की नियुक्ति कर दी। हालांकि देवजीत सैकिया कार्यवाहक सचिव बनाए गए हैं। उन्हें इस पद की स्थायी जिम्मेदारी नहीं दी गई है। बताया जा रहा है कि वे सितंबर 2025 तक यानी कि करीब 10 महीने तक BCCI सचिव के पद पर बने रह सकते हैं। इसके साथ ही वो आईसीसी के बोर्ड में भी BCCI के प्रतिनिधि रहेंगे, जो जिम्मेदारी अभी तक शाह निभा रहे थे। देवजीत ने भारत की ओर से तो क्रिकेट नहीं खेला है, लेकि वो फर्स्ट क्लास क्रिकेटर रह चुके हैं। उन्होंने असम के लिए रणजी ट्रॉफी क्रिकेट खेला था, जहां वो विकेटकीपर-बल्लेबाज की भूमिका में थे। वे मिडिल ऑर्डर में बैटिंग के लिए जाने जाते थे। असम के ही रहने वाले देवजीत फिलहाल BCCI में संयुक्त सचिव हैं। देवजीत एक क्रिकेट प्रशासक होने के अलावा पेशे से वकील भी हैं। बीसीसीआई में आने से पहले वो असम क्रिकेट एसोसिएशन में भी सचिव के पद पर तैनात थे। जय शाह ने BCCI में सेक्रेटरी के पद पर रहते हुए क्रिकेट के हित कई अहम फैसले लिए थे। अब वे ICC में प्रमुख भूमिका में नजर आ रहे हैं। उन्हें इस साल निर्विरोध रुप से ICC का चेयरमैन चुना गया था। वे आईसीसी के 16वें मुखिया नियुक्त किए गए हैं।

आईपीएल में नहीं बिकने वाले खिलाड़ियों पर है पीएसएल की नजर

एजेंसी | कराची

पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के फ्रेंचाइजी मालिकों ने अपने देश के क्रिकेट बोर्ड को उन विदेशी खिलाड़ियों की सूची सौंपी है जो हाल में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की नीलामी में नहीं बिक पाए थे। फ्रेंचाइजी चाहती हैं कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) आगामी नीलामी के लिए इन खिलाड़ियों को अपने ड्राफ्ट में शामिल करे। अगले साल होने वाले आईपीएल और पीएसएल के कार्यक्रम में पहली बार टकराव होने की संभावना है। अधिकतर विदेशी खिलाड़ियों की पहली पसंद आईपीएल है और ऐसे में पीएसएल के पास उन खिलाड़ियों को चुनने के अलावा कोई विकल्प नहीं रह जाता जो भारतीय लीग में जगह नहीं बना पाए। आईपीएल नीलामी में कई प्रमुख खिलाड़ी नहीं बिक पाए थे। इन खिलाड़ियों में डेविड वार्नर, केन विलियमसन, आदिल राशिद, एलेक्स केरी, केशव महाराज, शाई होप, डोनोवन फेरारा, डेरिल मिशेल, जॉनी बेयरस्टो, अकील हुसैन आदि शामिल हैं। एक अंदरूनी सूत्र ने कहा, 'पीएसएल की टीमों के मालिक चाहते हैं कि पीसीबी इन खिलाड़ियों के एजेंटों और बोर्ड से बात करके पीएसएल 2025 के लिए उनकी उपलब्धता की पुष्टि करे।'

शाहिद अफरीदी ने पीसीबी को आत्मनिर्भर बनाने का आह्वान किया

एजेंसी | कराची

पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को सलाह दी है कि जब तक भारत अपनी टीम को पाकिस्तान भेजने पर सहमत नहीं हो जाता तब तक वह आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) टूर्नामेंट सहित किसी भी क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए राष्ट्रीय टीम को भारत भेजने से परहेज करे।

कराची कला परिषद में आयोजित उर्दू सम्मेलन में अफरीदी ने पीसीबी से भारत के साथ क्रिकेट संबंधों पर कड़ा रुख अपनाने की वकालत करने हुए कहा कि पाकिस्तान को मजबूत निर्णय लेने के लिए आत्मनिर्भर बनना होगा। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान क्रिकेट को मजबूत और आत्मनिर्भर होने के साथ सैद्धांतिक फैसले लेने चाहिए। भारत अगर पाकिस्तान में आकर नहीं खेल सकता है तो हमारे लिए भारत में जाकर खेलने का कोई कारण नहीं है।'

चैंपियंस ट्रॉफी अगले साल फरवरी-मार्च के बीच पाकिस्तान में होने वाली है। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के अपने मैच पाकिस्तान में खेलने से इनकार कर दिया है और इसके बजाय टूर्नामेंट को 'हाइब्रिड मॉडल' में कराने की मांग की है, जिससे उसे अपने मैच तटस्थ स्थान पर खेलने की अनुमति मिल सके। अफरीदी ने कहा कि आईसीसी को भी अब यह तय करना है कि क्या वह सिर्फ पैसा कमाना चाहता है या प्रत्येक सदस्य देश को क्रिकेट खेलने का मौका सुनिश्चित कर के अपनी जिम्मेदारी निभायेगा।

रश्मिका से पहले परिणीति को मिली थी 'एनिमल'

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'एनिमल' ब्लॉकबस्टर हिट रही थी। तकरीबन 100 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने 900 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस किया था। फिल्म के बारे में कम लोग जानते हैं कि निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा पहले परिणीति चोपड़ा को फीमेल लीड रोल में लेना चाहते थे, लेकिन फिर जब उन्होंने यह रोल रिजेक्ट कर दिया तो डायरेक्टर को दूसरी एक्ट्रेस के नाम पर विचार करना पड़ा। परिणीति चोपड़ा ने एक न्यूज शो में खुद यह बताया कि उन्होंने यह फिल्म क्यों छोड़ दी थी।

बताया क्यों छोड़ दी फिल्म

परिणीति चोपड़ा ने 'आप की अदालत' में रजत शर्मा के साथ बातचीत में बताया, 'सर मैं सच कहूं तो शायद ऊपर वाला मेरे लिए कुछ अच्छा ही कर रहा था। वो फिल्म मैं कर रही थी और तकरीबन सब कुछ तय हो ही गया था कि मुझे लगभग उन्हीं तारीखों पर 'चमकीला' का ऑफर आ गया। उसमें मुझे इतने सारे गाने गाने को मिल रहे थे और एआर रहमान के साथ काम करने का मौका था, इम्तियाज अली मेरे ड्रीम डायरेक्टर हैं। मुझे इतना कुछ करने को मिल रहा था कि मैंने एनिमल करने की बजाए चमकीला साइन की।'

परिणीति चोपड़ा ने कहा, 'जो प्यार, इज्जत, पहचान और नॉमिनेशन्स मुझे चमकीला के लिए मिले हैं कि मुझे नहीं लगता उस चीज के लिए मुझे कोई पछतावा है।' जब उनके साथ ही शो में पहुंचे राघव चड्ढा से इस फैसले के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'सर मैं अकाउंटेन्सी के नजरिए से नहीं, दिल के नजरिए से बताता हूं। अगर इन्होंने चमकीला साइन ना की होती तो शायद हम मिले ना होते और पंजाब में हमने समय ना बिताया होता। क्योंकि चमकीला की सारी शूटिंग पंजाब के गांव में हुई थी।'

अबू धाबी में छुट्टियां मनाने पहुंची श्रद्धा कपूर

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने अबू धाबी की तस्वीरें साझा की हैं। श्रद्धा अपनी गैंग के साथ घूमने गई हैं। उसकी झलकियां उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा की हैं। श्रद्धा अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी ट्रिप से जुड़ी खास बातें फैंस के साथ शेयर कर रही हैं। श्रद्धा कपूर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अबू धाबी की झलकियां साझा की हैं। इसमें श्रद्धा शहर के बारे में बताती नजर आ रही हैं। साथ ही वे अबू धाबी में म्यूजियम पहुंचीं, जहां उन्होंने भारत का नक्शा भी दिखाया। श्रद्धा कपूर ने म्यूजियम की झलक भी सोशल मीडिया पर साझा की है। इसमें वे खुद भी नजर आ रही हैं। उन्होंने ब्राउन रंग की ड्रेस पहनी है। श्रद्धा ने म्यूजियम की कुछ खास चीजों के साथ सेल्फी भी ली। अभिनेत्री श्रद्धा कपूर अपनी टीम के साथ नजर आईं। उन्होंने टीम के साथ तस्वीर साझा कर लिखा, मैं हमेशा एक साथ की ओर आकर्षित होती हूं। मैं जो सोचती हूं वो सबसे अच्छा होता है। श्रद्धा ने अबू धाबी के मौसम के बारे में बताया। वे इस दौरान तेज हवा के मजे लेती नजर आ रही हैं। श्रद्धा के लिए ये फैन मूमेंट हो गया। श्रद्धा कपूर तेज हवा में अपनी ड्रेस फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं, इसमें फैंस उनकी तस्वीरें लेते नजर आ रहे हैं।

'पुष्पा 2' ने 3 दिन में की बंपर कमाई

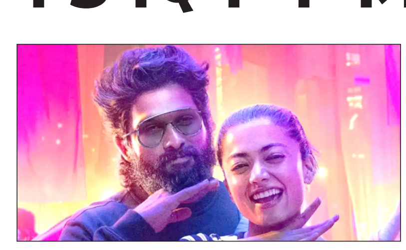

अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा 2' दिन प्रतिदिन नए रिकॉर्ड बनाने में लगी हुई है। अब फिल्म ने तीन दिन के भीतर वर्ल्डवाइड 600 करोड़ रुपए कमाने का आंकड़ा छू लिया है। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 बॉक्स ऑफिस पर सुनामी की तरह नजर आ रही है। इसने अब तक रिलीज हुई सभी फिल्मों को बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के मामले में पीछे छोड़ दिया है और यह अभी भी तेजी से आगे बढ़ रही है। 5 दिसंबर को रिलीज हुई अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी अपना डंका बजा दिया है। 164 करोड़ रुपए की ओपनिंग के साथ पुष्पा 2 देश और दुनिया भर में सबसे तगड़ी ओपनिंग करने वाली फिल्मों में से एक बन गई है। सिर्फ हिंदी की अगर बात करें तो सिर्फ हिंदी में इस फिल्म ने 3 दिन में 200 करोड़ रुपए का बिजनेस किया है। वहीं वर्ल्डवाइड तीन दिन में इस फिल्म ने 500 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की है। पुष्पा 2 ने रिलीज होने के 2 दिन के अंदर ही वर्ल्डवाइड 421.30 करोड़ रुपए का ग्रॉस कलेक्शन किया था, जबकि वर्ल्डवाइड तीन दिन में फिल्म ने करीब 600 करोड़ की कमाई का आंकड़ा छू लिया है। 'सैकनिल्क' की रिपोर्ट के मुताबिक अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 ने वर्ल्ड वाइड 598.90 करोड़ रुपए कमा लिए हैं। मतलब यह कहा जा सकता है कि फिल्म ने सिर्फ तीन दिन के अंदर दुनिया भर में 600 करोड़ रुपए की कमाई की है और यह किसी भी फिल्म के लिए न सिर्फ नया रिकॉर्ड है बल्कि उसकी सफलता का सबूत है। अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा 2 द रूल' ने वर्ल्डवाइड पहले दिन 275 करोड़ रुपए की कमाई की। दूसरे दिन वर्ल्डवाइड 146.10 करोड़ रुपए की कमाई की। वहीं तीसरे दिन भी फिल्म ने दुनिया भर में 177.6 करोड़ रुपए का बिजनेस किया। कुल मिलाकर यह आंकड़ा 598.90 करोड़ पहुंच गया। पुष्पा 2 की सुनामी अभी रुकी नहीं है।

न्यूज़ ब्रीफ

पुलिस कस्टडी में सीरियल किलर की मौत

अहमदाबाद। अहमदाबाद में पुलिस कस्टडी में सीरियल किलर नवल सिंह चावड़ा उर्फ भुवा की मौत हो गई। सिरियल किलर तांत्रिक अनुष्ठान के बहाने लोगों को लालच देकर उनके रुपये चार गुना करने की बात कहता था और बाद में जहरीला पदार्थ पिलाकर उनकी हत्या कर देता था। पुलिस की जांच में सामने आया है कि सिरियल किलर अब तक 12 लोगों की जान ले चुका है। पुलिस पिछले काफी समय से आरोपी की तलाश कर रही थी। अहमदाबाद की सरखेज पुलिस ने सीरियल किलर नवल सिंह को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने आरोपी को रिमांड में ले रखा था। इसी दौरान कस्टडी में उसकी मौत हो गई। आरोपी तांत्रिक अनुष्ठान के जरिये पैसों को चार गुना करने का लालच देकर लोगों को अपने पास बुलाता था और फिर सोडियम नाइट्रेट पिलाकर उनकी हत्या कर देता था। सोडियम नाइट्रेट पिलाने की वजह से उनकी मौत बेहद सामान्य लगती थी। हत्या के बाद भुवा शव को ठिकाने लगा दिया करता था।

PUBG खेलने से रोका छात्र ने मां के सामने लगाई फांसी

झांसी। झांसी के एरच थाने के तहत आने वाले मलाही टोला गांव में पबजी गेम खेलने से मना करने पर दसवीं के छात्र ने मां के सामने ही बबूल के पेड़ से फंदा लगाकर जान दे दी। उसे फंदे से लटकता देख मां बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ी। कई घंटे बाद भी उसे होश नहीं आया। मामले की जानकारी होते ही एरच थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, घटना के बाद से ही पूरे गांव में मातम फैला हुआ है। मलाही टोला निवासी गोकुल केवट पत्नी और दो बेटों समेट गांव के ही खेत में मकान बनाकर रहता था। उनका छोटा बेटा सरमन (14) दसवीं का छात्र था। परिजनों का कहना है शनिवार दोपहर करीब एक बजे सरमन मोबाइल पर पबजी खेल रहा था। मोबाइल पर गेम खेलता देख उसकी मां ने उसे टोका और मोबाइल छीनने की धमकी दी। यह बात सुनते ही सरमन नाराज होकर घर से खेतों की ओर निकल गया। बेटे की तलाश करती हुए सरमन की मां खेत पहुंची। मां को पीछे आता देखा सरमन बबूल के एक पेड़ पर चढ़ गया और मां के सामने ही उसकी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

दमिश्क में हुए घटनाक्रम का भारत पर नहीं पड़ा कोई असर

दश्मिक। सीरिया की राजधानी दश्मिक में हुए उथल-पुथल और घटनाक्रम का भारत पर कोई खास असर पड़ता नहीं दिखाई दिया। भारत के नागरिक वहां सुरक्षित हैं। मिली जानकारी के अनुसार कि सीरिया के दमिश्क में भारतीय दूतावास अभी भी सक्रिय है। एक एजेंसी ने X पोस्ट के जरिए कहा कि सीरिया के दमिश्क में भारतीय दूतावास अभी भी सक्रिय है। दूतावास सभी भारतीय नागरिकों के संपर्क में है और वे सुरक्षित हैं। दूतावास सीरिया में भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए उपलब्ध है। ग्लोबल खबरों पर एक्टिव समाचार संस्थान द भारत करेंट ने भी अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर भारतीयों के सुरक्षित होने की बात कही है। पोस्ट में लिखा कि सीरिया के दमिश्क में भारतीय दूतावास अभी भी कार्यरत है। दूतावास सभी भारतीय नागरिकों के संपर्क में है और वे सुरक्षित हैं।

दिल्ली-एनसीआर में बारिश ने बढ़ाई सर्दी

10 दिसंबर से 3 डिग्री और नीचे जाएगा पारा

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली-NCR में रविवार शाम बारिश से मौसम बदल गया है। अब सर्दी बढ़ गई है। इसके साथ ही दिल्ली और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में ठंड का कहर बढ़ने की भी संभावना मौसम विभाग ने जताई है। मौसम विभाग के ताजे पूर्वानुमान के अनुसार, 10 दिसंबर से 14 दिसंबर के बीच इस क्षेत्र में कोल्ड वेव यानी शीतलहर के दस्तक देने की आशंका है। मौसम विभाग की मानें तो पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लोगों को खासतौर पर सतर्क रहने की जरूरत है, क्योंकि वहां कड़ाके की ठंड के साथ कोहरे का भी असर देखने को मिलेगा।

बारिश से सर्द हुआ मौसम

बता दें कि मौसम विभाग ने पूर्वानुमान जताया था कि 8 दिसंबर को दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों में आसमान में बादल छाए रह सकते हैं और हल्की बारिश भी हो सकती है। हुआ भी ऐसा ही। दिल्ली में रविवार शाम बारिश हुई और इस कारण सर्दी बढ़ गई। फिलहाल, दिल्ली का न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस के आसपास है, लेकिन इस क्षेत्र में बढ़ती ठंड के चलते यह तापमान 10 दिसंबर के बाद और भी गिरकर लगभग 3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। हिमालय पर हो रही बर्फबारी और वेस्टर्न डिस्टरबेंस की वजह से दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत में मौसम और अधिक ठंडा हो सकता है।

कल-परसों कैसा रहेगा मौसम?

इसके साथ ही, 9 और 10 दिसंबर को उत्तर भारत के कई इलाकों में घना कोहरा छाए रहने की भी उम्मीद है, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हो सकता है। उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में हरियाणा का हिसार शहर इस ठंड में सबसे आगे है, जहां न्यूनतम तापमान 4 ।7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। जानकारी के मुताबिक दिल्ली में 11 दिसंबर, 2024 तक न्यूनतम तापमान धीरे-धीरे 2-3 डिग्री सेल्सियस कम हो सकता है। दूसरे सप्ताह में भी (12-18 दिसंबर, 2024) ठंड का दौर जारी रहेगा। दिसंबर की शुरुआत में कोहरे की चेतावनी भी जारी की गई है। पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में अलग-अलग इलाकों में घना कोहरा छाए रहने की उम्मीद है, खासतौर पर 7 दिसंबर की रात से 10 दिसंबर की सुबह तक घना कोहरा देखा जा सकता है।

यूसीसी देश के लिए जरूरी

VHP के कार्यक्रम में बोले इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज

एजेंसी | नई दिल्ली

इलाहाबाद हाई कोर्ट के मौजूदा जज जस्टिस शेखर कुमार यादव ने विश्व हिंदू परिषद (VHP) के एक कार्यक्रम में 'समान नागरिक संहिताः एक संवैधानिक आवश्यकता' विषय पर अपनी बात रखी। यह कार्यक्रम हाई कोर्ट परिसर के लाइब्रेरी में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में यूसीसी पर चर्चा के अलावा, वक्फ बोर्ड अधिनियम और धर्मांतरण के कारणों और संभावित समाधानों पर भी विचार विमर्श किया गया।

इस कार्यक्रम के आयोजन में VHP ने अपने उद्देश्य के अनुसार हिंदू धर्म की रक्षा, समाज की सेवा और हिंदू समुदाय को एकजुट करने की दिशा में काम करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस साल सितंबर में, केंद्रीय कानून और न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक ट्वीट किया था। इसमें दिल्ली में आयोजित VHP के एक कार्यक्रम की तस्वीरें थीं।

इस कार्यक्रम में कई रिटायरर्ड जज की उपस्थिति ने सोशल मीडिया पर एक बहस को जन्म दिया था। माना जा रहा है इस दौरान दिल्ली हाई कोर्ट के दो मौजूदा जज भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए थे, हालांकि वीएचपी अध्यक्ष ने इस बात से इनकार किया था। कार्यक्रम में जस्टिस यादव ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को भारतीय संविधान के अनुरूप एक आवश्यक कदम बताया और धर्म के नाम पर होने वाली सामाजिक असमानताओं को दूर करने के लिए इसे लागू करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज में समानता और न्याय की भावना को बढ़ाने के लिए यूसीसी का होना अनिवार्य है। जज शेखर कुमार यादव 2021 में अपने कुछ विवादास्पद बयान देने के लिए सुर्खियों में आए थे।

क्लैट में शांतनु बने यूपी के टॉपर

बिहार में नमन ने लहराया परचम

एजेंसी | नई दिल्ली

कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट यानी क्लैट (CLAT) 2025 परीक्षा का रिजल्ट जारी हुआ है, जिसमें हरियाणा और मध्य प्रदेश के एक-एक छात्र ने क्लैट यूजी (CLAT UG) परीक्षा में 99 ।997 पर्सेंटाइल के साथ टॉप किया है, जबकि क्लैट पीजी (CLAT PG) परीक्षा में 99 ।993 पर्सेंटाइल के साथ ओडिशा की एक लड़की टॉपर बनी है। वहीं, लखनऊ के रहने वाले शांतनु द्विवेदी इस परीक्षा में उत्तर प्रदेश के टॉपर बने हैं। उन्होंने ऑल इंडिया 8वीं रैंक हासिल की है। वह लखनऊ के सिटी मॉन्टेसरी स्कूल में पढ़ते हैं, जहां उनका एडमिशन कक्षा 1 में हुआ था। वह साल 2025 में 12वीं की बोर्ड परीक्षा देंगे।

क्या बनना चाहते हैं शांतनु?

यूपी स्टेट टॉपर शांतनु ने एक इंटरव्यू में बताया कि वह बेंगलुरु की नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी से एलएलबी की पढ़ाई करने के बाद लिटिगेशन में प्रैक्टिस करना चाहते हैं। लिटिगेशन का मतलब होता है किसी मामले को सिविल कोर्ट ऑफ लॉ में लड़ना या उसकी रक्षा करना। हालांकि उनका सपना सिर्फ वकालत करना नहीं बल्कि जज बनना है। वह पीसीएस-जे की भी परीक्षा देना चाहते हैं और जज बनना चाहते हैं।

रोज इतने घंटे करते थे पढ़ाई

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शांतनु ने 10वीं क्लास में ही ये तय कर लिया था कि उन्हें क्या करना है। इसलिए वह क्लैट परीक्षा की तैयारी जी-जान से कर रहे थे। वह हर रोज 6-8 घंटे पढ़ाई करते थे। उनके पिता का नाम देवेंद्र द्विवेदी तो मां का नाम अनुपमा द्विवेदी है। शांतनु ने क्लैट परीक्षा 2025 में 99 ।987 पर्सेंटाइल हासिल किया है। कुल 120 अंकों की हुई इस परीक्षा में उन्हें 100 ।5 अंक मिले हैं। शांतनु बेंगलुरु स्थित नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी से पढ़ाई करना चाहते हैं। दिलचस्प बात ये है कि उनके लॉ टीचर भी सिटी मॉन्टेसरी स्कूल से ही पढ़े हैं। उनका नाम श्वेतांक वर्मा है और उन्होंने पटना स्थित नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी से कानून की पढ़ाई की है।

कौन हैं बिहार के टॉपर?

क्लैट 2025 परीक्षा में नमन बिहार टॉपर बने हैं। उन्होंने ऑल इंडिया 60वीं रैंक हासिल की है। पटना के रहने वाले नमन ने अपनी सफलता का पूरा श्रेय अपने संस्थान को दिया है। नमन की इस सफलता से उनका माता-पिता बेहद खुश हैं।

इल्तिजा हमेशा भारत के खिलाफ बोलती हैं: अग्निमित्रा पॉल

एजेंसी | जम्मू

पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती ने कहा था कि 'हिंदुत्व' एक बीमारी है, जो हिंदू धर्म को बदनाम कर रही है, जो अल्पसंख्यकों खासकर मुसलमानों की 'लिंचिंग और उत्पीड़न' को बढ़ावा दे रही है, जिसका इस्तेमाल भाजपा अपने वोट बैंक को मजबूत करने के लिए कर रही है। इल्तिजा के इस विवादास्पद बयान पर बीजेपी ने पलटवार किया है।

भारतीय जनता पार्टी ने इस टिप्पणी पर आपत्ति जताई और 'अपमानजनक शब्दों' के लिए माफी की मांग की। बीजेपी नेता अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि महबूबा मुफ्ती और उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती हमेशा भारत के खिलाफ बोलती हैं, कुछ दिन पहले, महबूबा मुफ्ती गाजा, बांग्लादेश की तुलना भारत से कर रही थीं। अब उनकी बेटी इल्तिजा इस्लाम की तुलना हिंदू धर्म से कर रही हैं। वह दो धर्मों की तुलना कैसे कर सकती हैं? वे जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव हार गए हैं और कश्मीर के मुसलमानों ने उन्हें खारिज कर दिया है क्योंकि वे नफरत फैला रहे हैं।

इल्तिजा ने X पर मध्य प्रदेश के रतलाम की एक घटना का वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा था कि ''नाबालिग मुस्लिम बच्चों को सिर्फ इसलिए चप्पलों से मारा जा रहा है क्योंकि उन्होंने राम का नाम लेने से इनकार किया। हिंदुत्व एक बीमारी है जिसने लाखों भारतीयों को प्रभावित किया है और भगवान के नाम को कलंकित किया है।'बाद में जम्मू में एक समारोह के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए इल्तिजा ने अपनी टिप्पणी का बचाव किया और भाजपा पर देश में ऐसी स्थिति पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हिंदुत्व और हिंदू धर्म में बहुत अंतर है, हिंदुत्व नफरत की भावना फैलाता है।

खबर के मुताबिक इल्तिजा ने कहा कि इस्लाम की तरह हिंदू धर्म भी एक ऐसा धर्म है जो धर्मनिरपेक्षता, प्रेम और करुणा को बढ़ावा देता है, लेकिन इसे जानबूझकर विकृत न करें। मैंने जो कुछ भी कहा, वह खुले तौर पर कहा। मैंने हिंदुत्व की आलोचना की है और मैं अपने बयान पर कायम हूं। इल्तिजा ने कहा कि हिंदुत्व एक बीमारी है और हमें इस स्थिति का इलाज करना होगा। उन्होंने कहा कि जय श्री राम का नारा अब 'राम राज्य' तक सीमित नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि इसका इस्तेमाल भीड़ द्वारा हत्या के दौरान किया जाता है। बाद में एक अन्य पोस्ट में इल्तिजा ने कहा कि मेरे ट्वीट पर बहुत गुस्सा जाहिर किया जा रहा है।

बीजेपी ने कहा- माफी मांगें इल्तिजा

वहीं, जम्मू-कश्मीर भाजपा के पूर्व अध्यक्ष रविंदर रैना ने कहा कि राजनीति में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि इल्तिजा ने एक एडिटेड वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए पोस्ट में अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया है, जो मुसलमानों और हिंदुओं के बीच दरार पैदा करने की साजिश का हिस्सा है, उन्हें ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करने के लिए माफी मांगनी चाहिए जो बर्दाश्त करने लायक नहीं हैं।

ईरान, इजराइल के बीच संबंध या इसका ना होना चिंता का विषय : जयशंकर

एजेंसी | मनामा

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को कहा कि इजराइल और ईरान के बीच संबंध या इसकी अनुपस्थिति चिंता का विषय है तथा भारत के कुछ कूटनीतिक प्रयास इस पहलू पर केंद्रित हैं। बहरीन में 'मनामा डायलॉग' में अपने संबोधन में जयशंकर ने लाल सागर में हूती चरमपंथियों द्वारा वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों का सीधे तौर पर उल्लेख किए बिना कहा कि भारत सुरक्षा स्थिति को ठीक करने में रुचि रखता है। शनिवार को बहरीन की दो दिवसीय यात्रा पर आए जयशंकर ने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की, जिनमें संघर्षों को और फैलने से रोकना, प्रमुख संपर्क परियोजनाओं का महत्व और क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति में सुधार की आवश्यकता शामिल है।

उन्होंने कहा, 'हालिया समय में, हम सभी के लिए इजराइल और ईरान के बीच संबंध या इसकी (संबंध की) अनुपस्थिति विशेष रूप से चिंता का विषय रही है। इसलिए हमारे कुछ कूटनीतिक प्रयास उस विशेष पहलू पर केंद्रित रहे हैं।'जयशंकर ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव को लेकर

वैश्विक चिंताएं बढ़ी हैं। अक्टूबर में, ईरान ने हिज्बुल्ला प्रमुख हसन नसरल्ला और लेबनानी चरमपंथी संगठन के अन्य कमांडरों की हत्या के जवाब में इजराइल पर लगभग 200 मिसाइलें दागी थीं। इसके बाद इजराइल ने ईरानी हमलों का जवाब दिया था। भारत के लिए पश्चिम एशिया के महत्व के बारे में बात करते हुए विदेश मंत्री ने देश की सतत आर्थिक वृद्धि को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा, 'भारत आज लगभग 4,000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला देश है, (और) हमें उम्मीद है कि इस दशक में यह आसानी से दोगुना हो जाएगा। हमारा व्यापार आज लगभग 800 अरब अमेरिकी डॉलर का है।

यह भी इस दशक में कम से कम दोगुना हो जाना चाहिए।' जयशंकर ने लाल सागर में स्थिति का भी उल्लेख किया और कहा कि सुरक्षा, रणनीतिक क्षेत्रीय सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। उन्होंने कहा, 'और इस क्षेत्र में हमारे सामने बहुत बड़ी सुरक्षा चुनौतियां हैं, जिनका एशिया में व्यापार पर बहुत गहरा और नुकसानदेह प्रभाव पड़ा है।' लाल सागर में अस्थिर स्थिति को देखते हुए, माल की खेपों को अन्य मार्गों से भेजा गया, जिससे परिवहन की लागत काफी बढ़ गई। विदेश मंत्री ने इस क्षेत्र में भारत की नौसैन्य उपस्थिति के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, 'वास्तव में इस क्षेत्र में अदन की खाड़ी, सोमालिया, उत्तरी अरब सागर में हमारी नौसेना की उपस्थिति रही है। पिछले एक साल में यहां लगभग 30 जहाज तैनात रहे हैं, कभी वहां अधिकतम 12 जहाज ही तैनात थे।' जयशंकर ने कहा कि भारत खाड़ी क्षेत्र के साथ-साथ भूमध्य सागर में भी अपने साझेदारों के साथ द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास बढ़ाने का इरादा रखता है। उन्होंने कहा, 'भूमध्य सागर में, विशेषकर इजराइल के अलावा, यूनान और मिस्र के साथ इस वर्ष हमने महत्वपूर्ण सैन्य अभ्यास किए हैं।'

असद के 24 साल पुराने शासन का अंत विद्रोहियों ने दमिश्क पर किया कब्जा

एजेंसी | दमिश्क

सीरिया में पिछले हफ्ते हालात अचानक बदल गए। इसके बाद देखते ही देखते विद्रोहियों ने दमिश्क पर कब्जा कर लिया और राष्ट्रपति बशर अल-असद के 24 साल के लंबे शासन का अंत कर दिया। इस अभियान की कमान संभालने वाले शख्स हैं अबु मोहम्मद अल-जुलानी। जुलानी का नाम पहले भी काफी सुर्खियों में रहा है। वो 1982 में सऊदी अरब में पैदा हुए। उनके पिता पेट्रोलियम इंजीनियर थे। बचपन में सात साल तक सऊदी अरब में रहे, फिर उनका परिवार सीरिया लौट आया। जुलानी ने 2003 में अल-कायदा जॉइन किया। उस वक्त अमेरिका

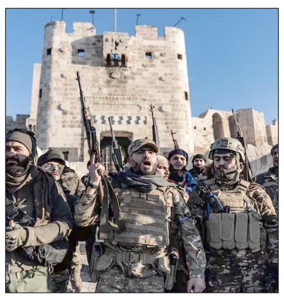

ने इराक पर हमला किया था। फिर 2011 में उन्होंने अपना एक अलग ग्रुप बनाया, जिसे जबहात अल-नुसरा कहा गया। बाद में यही ग्रुप हयात तहरीर अल-शाम (HTS) बन गया।

जुलानी ने अल-कायदा में रहते हुए अबु बक्र अल-बगदादी के साथ भी काम किया। लेकिन 2013 में उन्होंने ISIS से अलग होने का ऐलान कर दिया। इसके बाद उन्होंने ISIS के खिलाफ लड़ाई लड़ी। 2018 में अमेरिका ने HTS को आतंकी संगठन घोषित कर दिया और जुलानी पर 10 मिलियन डॉलर का इनाम रखा। लेकिन जुलानी ने अपनी छवि बदलने की कोशिश की। उन्होंने इंटरव्यू में कहा कि उनका मकसद निर्दोष लोगों को मारना नहीं है। सीरिया के इदलिब प्रांत में HTS ने अपनी पकड़ बनाई और एक सिविल एडमिनिस्ट्रेशन 'सेल्वेशन गवर्नमेंट' शुरू की। जुलानी का कहना है कि वो सीरिया में ऐसी सरकार चाहते हैं, जहां जनता अपने नेता चुन सके।

150 साल जीने की ख्वाहिश

95 साल की परदादी से ली प्रेरणा

एजेंसी | लॉस एंजेलिस

कहते हैं किसी भी जीव के लिए मौत अंतिम सत्य है, लेकिन इंसान हर वो कोशिश करता है। जिससे वो अपनी मौत को टाल सके। अब यूं तो इसकी कोशिश तमाम लोगों ने की है। जिसको लेकर उन्होंने अलग दावे भी पेश किए हैं। जिसके बारे में जानकर लोग हैरान रह जाते हैं। ऐसी ही एक महिला का किस्सा सामने आया है। जो अपनी स्ट्रिक्ट डाइट से अपनी उम्र को दस साल कम कर चुकी हैं और इसी के साथ उन्होंने दावा किया है कि वो अगर इसी डाइट पर रही तो 150 सालों तक आराम से जिंदा रह सकती है। हम बात कर रहे हैं 34 वर्षीय कायला बार्न्स-लेंट्ज़ के बारे में जो लॉस एंजेलिस में रहती है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने औसत जीवन की सीमाओं को तोड़ने का प्लान किया है। उनका कहना है कि मेरे लाइफ एक्सटेंशन के डायट प्लान को लेकर कई बार अजीबोगरीब कमेंट करते थे।

एक बार तो ऐसा हुआ कि मेरी मां ने मुझे सीजीएम (ब्लड ग्लूकोज मॉनिटर) पहने देखा तो वह परेशान हो गईं क्योंकि मैं अपने परिवार के साथ कई सालों से खाना नहीं खाती थी।जिसके बाद मैंने उन्हें समझाया और कहा कि मैं स्वास्थ्य प्रोटोकॉल का पालन करती हूं। अपनी इसी आदत के

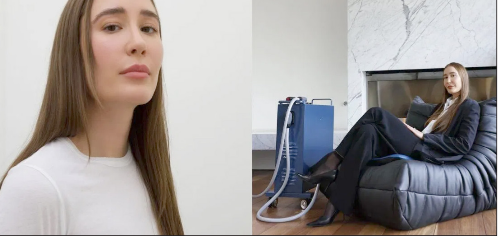

कारण मैं अपने दोस्तों के साथ बैठकर बाहर का कुछ नहीं खातीबल्कि मैं घर पर स्वस्थ डिनर करती हूं। कायला का कहना है कि खाने को लेकर सख्त रूटीन स्वास्थ्य और जीवन को लंबा करने में मदद करता है और इसका पालन हर किसी को करना चाहिए। इसके अलावा मैं आए दिन अपने खून की जांच आंत और विषाक्तता परीक्षण करवाती हूं, जिससे मैं किसी भी बीमारी को पहले ही रोक सकूं।

कहां से मिली ये प्रेरणा?

अपनी दिनचर्या को लेकर कायला ने आगे कहा कि मैं रोजना सुबह 5 बजे उठती हूं और कई तरह के हेल्थ टेस्ट करवाने के बाद अपना ब्यूटी ट्रीटमेंट करवाती हूं। जिसका उद्देश्य मेरी उम्र को रोकना है। अपने आप को स्वास्थ रखने के लिए मैं कभी-कभार रेड मीट खा लेती हूं लेकिन ना मैंने कभी बाहर का खाना छुआ है और ना ही कभी शराब पी है। एक चीज और मैं रोजना रात 8:30 बजे सोने चली जाती हूं और अपनी नींद की गुणवत्ता को एक Oura रिंग से ट्रैक करती हूं । कायला बताती है कि उन्हें ये प्रेरणा उनकी परदादी से मिली जो 95 साल की उम्र में स्वस्थ हैं। कायला का कहना है कि उन्होनें ही मुझ तरीके से चलने को कहा और अब मैं उन्हीं की तरह सख्त जीवनशैली को फॉलो करती थी। उन्हें इस उम्र से बहुत आगे ले जा सकती है।